राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, १३अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

कहर बनकर टूटी है कोरोना की दूसरी लहर, एक दिन में आए करीब 1 लाख 70 हजार केस

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के मामले में बीता सप्ताह सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हुआ। खासकर रविवार को एक दिन में मिलने वाले कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक देश में एक दिन के अंदर 1,69,899 नए संक्रमित मिले, जो महामारी के बाद से अब तक एक दिन में संक्रमितों की सर्वाधिक संख्या है। इस दौरान 904 और कोरोना मरीजों की मौत हो गई। बीते सप्ताह के सात में से छह दिनों में रोजाना संक्रमण के एक लाख से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए। संक्रमण का ट्रेंड बताता है कि न सिर्फ रोजाना संक्रमण के मामलों में तेजी आई, बल्कि रोजाना ठीक होने वाले में मरीजों की संख्या घट जाने से देश की चिंता बढ़ गई। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या अब तक के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। राहत की बात यह रही कि कोरोना जांचें और रोजाना टीकाकरण में तेजी आई जो संक्रमण से लड़ने के लिए बेहद जरूरी है।

नए केस-हफ्ते में छह दिन नए संक्रमित एक लाख के पार

देश में पिछले सप्ताह हर दिन औसत 1,24,476 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए जबकि पहली लहर के दौरान अधिकतम 97 हजार से कुछ अधिक मामले ही एक दिन के भीतर दर्ज किए गए थे। पिछले रविवार यानी 5 अप्रैल को देश में पहली बार 24 घंटों में एक लाख से कुछ अधिक केस दर्ज किए गए थे। जिसके बाद बीते रविवार यानी 11 अप्रैल की सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में 1.52 लाख नए केस आए। इस सप्ताह के सात दिनों में से छह दिनों में रोजाना एक लाख से ज्यादा संख्या में नए केस दर्ज हुए जो भारत में अब तक का सर्वाधिक है। इस समय देश में संक्रमण के कुल मामलों के दोगुने होने की अवधि 60.2 दिन और मौतों के मामलों के दोगुने होने की अवधि 139.5 दिन है।

सक्रिय केस-सप्ताहभर में 50 फीसदी बढ़ी इलाजरत मरीजों की संख्या

कोरोना ट्रैक 'कोविड19इंडिया' के मुताबिक 5 अप्रैल की सुबह देश में सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 7,37,872 दर्ज किया गया था जो 11 अप्रैल की रात तक 11,89,856 हो गया। यानी बीते एक सप्ताह में सक्रिय मरीजों की संख्या में 50 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक रविवार सुबह तक सक्रिय केसों की दर 8.29 प्रतिशत रही जबकि सात दिन पहले यह 5.86 प्रतिशत थी।

रिकवरी रेट-मरीजों के ठीक होने में दो फीसदी गिरावट

पिछले एक सप्ताह के दौरान देश में रिकवरी रेट में कमी आना चिंताजनक है जो एक सप्ताह पहले 92.78 प्रतिशत से घटकर रविवार सुबह तक 90.44 प्रतिशत रह गई। इसका मतलब है कि अस्पतालों से ठीक होने वाले मरीजों की रोजाना तादाद घट रही है, जिससे अस्पतालों पर मरीजों का बोझ बढ़ेगा।

मृत्यु दर-दोगुनी हो गई रोजाना की मौतें

कोरोना ट्रैक 'कोविड19इंडिया' के मुताबिक 5 अप्रैल की सुबह तक 24 घंटे में देश में एक दिन के भीतर 477 कोरोना मरीजों की मौत हुई जबकि रविवार सुबह चौबीस घंटों के भीतर 838 मरीजों की मौत हुई। दूसरी ओर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में रोजाना जितने मरीज संक्रमित हो रहे हैं, उनमें अभी 1.27 प्रतिशत मरीजों की जान जा रही है, जबकि पांच अप्रैल को मृत्युदर 1.31 प्रतिशत थी जो कि आंशिक रूप से कम है।

राहत-रोजाना जांचें व टीकाकरण में उछाल

5 अप्रैल को सरकार ने आठ लाख नमूने ही जांचें, जिसके बाद इसमें लगातार तेजी आई। छह, सात और आठ अप्रैल को 12-12 लाख नमूने जांचे गए। फिर नौ अप्रैल को 13 व 10 अप्रैल को 11 लाख नमूने जांचें गए। बीते रविवार को एक दिन के भीतर 14 लाख से कुछ अधिक नमूनों की जांच की गई। इसी तरह, पिछले एक सप्ताह के दौरान रोजाना टीकाकरण 30 लाख से लेकर 40 लाख के बीच हुआ।

दुनिया में भारत की स्थिति

भारत रोजाना आने वाले नए संक्रमणों के मामले में अब दुनिया में नंबर एक पर पहुंच गया है। वहीं, कोरोना के सक्रिय मामलों और इससे रोजाना सबसे ज्यादा होने मौतें दर्ज करने वाले देशों की सूची में भारत फिलहाल चौथे पायदान पर है।

100 साल के बुजुर्ग ने लगवाई वैक्सीन, बताया किस तरह हरा सकते हैं कोरोना को

नई दिल्ली। एक ओर जहां कोरोना की दूसरी लहर ने देश और दुनिया को दुखी किया हुआ है वहीं जारी टीकाकरण लोगों को राहत दे रहा है। इस कड़ी में टीका लगवाने केंद्र पहुंचे 100 साल के जयदेव चौधरी ने एक शानदार बात कही। उन्होंने कोरोना से लड़ने के लिए पॉजिटिव एटिट्यूड की बात करते हुए हुए एक नज्म पढ़ी- 'हर मुसिबत का दिया इक तबस्सुम जावब, इस तरह गर्दिश-ए-दौरान को रुलाया मैंने'। उन्होंने कहा- कहा कि जीवन में एक सकारात्मक दृष्टिकोण लोगों को महामारी के दौरान कठिनाइयों को दूर करने में मदद कर सकता है। चौधरी को 1 मार्च को मेडिकवर अस्पताल, माधापुर में सेरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोविशिल्ड की पहली खुराक ली, हालांकि उन्हें 29 मार्च को दूसरी खुराक मिलने वाली थी लेकिन 22 मार्च को सरकार ने दो खुराक के बीच के अंतराल को बढ़ा दिया तो यह तारीक आगे बढ़ गई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दो विशेषज्ञ समूहों की सिफारिश पर निर्णय लिया - टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह की और कोविद -19 पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह की। देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस वैक्सीन की कमी के शिकायत के बीच एक राहत की भी खबर है। इस साल अक्टूबर के अंत तक भारत को पांच और टीके मिल सकते हैं। जिससे काफी हद तक वैक्सीन की कमी की शिकायत दूर हो सकती है। बता दें कि देश में फिलहाल कोरोना वायरस के लिए दो वैक्सीन कोविशिल्ड और कोवैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली हुई है। इन दोनों टीकों का निर्माण भी भारत में ही हो रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस साल तीसरी तिमाही तक कोरोना वायरस के पांच और टीके भारत में हो सकते हैं। ये पांच टीके हैं स्पूतनिक वीजॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन, नोवावैक्स वैक्सीन, जाइजस कैडिला का टीका और भारत बायोटेक का इंट्रानैजल वैक्सीन शामिल हैं।

ऐसे हारेगा कोरोना? वीकेंड लाकडाउन लागू करवाने गए अधिकारियों पर लोगों ने किया हमला

नई दिल्ली। देश और दुनिया को कोरोना का तांडव देखते हुए एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। लोग इसके खतरे को समझकर सावधान भी हो गए हैं। लेकिन कुछ लोग अब भी इसे मजाक समझकर खिलवाड़ से बाज नहीं आ रहे। बीते रविवार को मध्यप्रदेश में ऐसा ही कुछ देखने को मिला। दरअसल मध्यप्रदेश में प्रशासन ने नयागांव, चित्रकूट में सप्ताहांत लॉकडाउन का आदेश दिया है। लेकिन लोग इस प्रतिबंध को स्वीकार नहीं करना चाहते। यहां जब कल पुलिस कर्मियों ने लॉकडाउन लगाने की कोशिश की तो स्थानीय लोगों ने टीम पर हमला कर दिया। एसएचओ संतोष तिवारी ने बताया कि एक जगह दुकानें खुली थीं और लगभग 15 लोग शराब पी रहे थे। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। बता दें कि राज्य में कोरोना से बिगड़ते हालातों को देखते हुए शनिवार तक यहां के 12 जिलों में सात से नौ दिन के लिए लॉकडाउन कर दिए गए थे। इसके साथ ही मंडला जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में 19 अप्रैल सुबह 6 बजे तक लॉकडाउन बढ़ाया गया है। दूसरी लहर में एक बार फिर सबसे ज्यादा प्रकोप महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में हालात बेहद गंभीर होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में यहां संक्रमण के 63,294 नए मामले सामने आए हैं। यह पहला मौका है, जब राज्य में एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में कोरोना के नए केस मिले हैं। वहीं राहत की खबर ये भी है कि 34 हजार 8 मरीजों को डिस्चार्ज कर घर भेजा गया। राज्य में रिकवरी रेट 81.65 प्रतिशत पहुंच गया है।

स्वदेशी रक्षा उत्पादों में 75 फीसदी तक विदेशी सामग्री का इस्तेमाल

नई दिल्ली। देश में रक्षा उत्पादन में तेजी तो आ रही है लेकिन जो सामग्री तैयार हो रही है, उसके निर्माण के लिए विदेशों से आयातित कुलपुर्जों पर निर्भरता लगातार बनी हुई है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पोतों के निर्माण में 75 फीसदी और वायुयानों के निर्माण में 60 फीसदी तक सामग्री विदेशों से आयात करनी पड़ रही है। इससे देश में बनने वाले रक्षा उपकरणों के लिए भी एक बड़ी राशि विदेशी कंपनियों को जा रही है। हालांकि इस उच्च दर को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पोत के 72-75 प्रतिशत कलपुर्जे आयातित-रक्षा मंत्रालय के अनुसार जंगी पोतों का निर्माण करने वाली सार्वजनिक रक्षा कंपनी एमडीएल के प्रोजेक्ट 15बी और 17 ए पोतों के निर्माण में 72-75 फीसदी विदेशी कंपोनेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के वर्ष 2024-25 तक पूरा होने के आसार हैं और इसके तहत कई पोतों का निर्माण किया जा रहा है। किसी स्वदेशी रक्षा उत्पाद में यह सर्वाधिक आयातित कंपोनेंट है।

विमानों में 60 फीसदी विदेशी सामग्री-इसी प्रकार तेजस लड़ाकू विमान समेत अन्य वायुयानों का निर्माण करने वाले हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) 40-60 फीसदी तक विदेशी कंपोनेंट का इस्तेमाल कर रहा है। मंत्रालय द्वारा दिए गए ब्योरे के अनुसार सुखोई-30 एमकेआई में 40, तेजस में 43, एएलएच में 44 तथा डीओ-228 वायुयान में 60 फीसदी कल पुर्जे विदेशों से आयातित हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर उपकरण में 22 फीसदी विदेशी कल-पुर्जे-इसी प्रकार राडार, कम्युनिकेशन तथा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर उपकरण बनाने वाले सार्वजनिक उपक्रम बीईएल ने पिछले तीन सालों के दौरान 22-27 फीसदी तक विदेशी कुल-पुर्जो का इस्तेमाल किया है। बीईएमएल में यह 18-20, जीएसएल में 25, हिन्दुस्तान शिपयार्ड में 21 तथा जीआरएसई के उत्पादों में अपेक्षाकृत कम 10 फीसदी विदेशी कंपोनेंट इस्तेमाल हो रहे हैं।

इटावा में बेकाबू ट्रक ने 11 लोगों को कुचला, 3 की मौत, सीएम योगी ने जताया दुख

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक बेकाबू ट्रक ने 11 लोगों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 8 अन्य लोग घायल हुए हैं। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां, दो की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुए लोग आगामी पंचायत चुनाव में मतदान करने के लिए दिल्ली से झांसी अपने गांव जा रहे थे। बता दें कि यह हादसा इटावा के नेशनल हाइवे-19 पर सोमवार तड़के सुबह 4 बजे के आसपास हुआ। बकेवर थाना क्षेत्र में बिजौली के पास कार का पहिया बदलते वक्त पीछे से एक ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। इसमें 11 लोग ट्रक की चपेट में आ गए। इस हादसे के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुँच कर पीड़ितों की हर संभव मदद करने तथा दुर्घटना में घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

शाही स्नान के लिए हरकी पैड़ी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कोविड नियमों की उड़ी धज्जियां

हरिद्वार। कोरोना संकट के बीच हरिद्वार में आज कुंभ का दूसरा शाही स्नान है। शाही स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन से लेकर अखाड़ों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। लेकिन शाही स्नान से पहले हरकी पैड़ी पर भीड़ उमड़ पड़ी है। आम लोग शाही स्नान से पहले गंगा जी में डुबकी लगाने पहुंचे। इस दौरान कोविड नियम तार-तार हो गए हैं और सभी तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कुंभ मेला आईजी संजय गुंजयान ने बताया कि हम लोगों से लगातार कोविड नियमों के पालन का आग्रह कर रहे हैं लेकिन भारी भीड़ के कारण यह व्यावहारिक रूप से असंभव है। आईजी का कहना है कि भारी भीड़ को देखते हुए यहां घाट पर सामाजिक दूरी जैसे नियम का पालन करा पाना नामुमकिन है। अगर हमने ऐसा कराने की कोशिश की तो भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो सकती है इसलिए हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। आईजी संजय गुंजयानने बताया कि घाट पर सुबह 7 बजे तक आम लोगों के लिए स्नान करने दिया जाएगा इसके बाद यह स्थान अखाड़ों के लिए आरक्षित रहेगा। हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं। आपको बता दें कि सोमवती अमावस्या के शाही स्नान पर कुंभ मेला पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरकी पैड़ी पर स्नान करने के लिए कुछ राहत दे दी है। श्रद्धालु हरकी पैड़ी पर सुबह सात बजे तक स्नान कर सकेंगे। इसके बाद आम श्रद्धालु हरकी पैड़ी क्षेत्र पर नहीं जा पाएंगे और क्षेत्र अखाड़ों के संतों के स्नान के लिए आरक्षित होगा।

ये है शाही स्नान का क्रम

1. सबसे पहले निरंजनी अखाड़ा अपने साथी आनंद के साथ अपनी छावनी से सुबह 8.30 बजे चलेगा। हर की पौड़ी पर पहुंचकर निरंजनी अखाड़े के संत शाही स्नान करेंगे।
2. उसके बाद 9 बजे का समय जूना अखाड़ा व अग्नि अखाड़ा, आवाहन और किन्नर अखाड़ा को स्नान के लिए दिया गया है। जूना अखाड़े से निकलकर हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड में स्नान करेगा।
3. उसके बाद महानिर्वाणी अपने साथी अटल के साथ कनखल से हर की पौड़ी की ओर रुख करेगा। इस अखाड़े के संत यहां से 9.30 बजे शाही स्नान के लिए निकलेंगे।
4. उसके बाद तीनों बैरागी अखाड़े श्री निर्मोही अणी, दिगंबर अणी, निर्वाणी अणी 10:30 बजे अपने हाथों से चलकर हर की पौड़ी पहुंचेंगे।
5. उसके बाद श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा 12:00 बजे अपने अखाड़े से हर की पौड़ी की ओर रुख करेगा।
6. श्री पंचायती नया उदासीन अखाड़ा लगभग 2:30 बजे अपने अखाड़े से हर की पौड़ी की ओर रुख करेगा।
7. आखिर में श्री निर्मल अखाड़ा 3 बजे के करीब अपने अखाड़े से हर की पौड़ी की ओर रूख करेगा।

कहीं ऑक्सीजन की कमी तो खराब पड़े हैं वेंटिलेटर, एक्सपर्ट्स की टीम ने बताया इन 3 राज्यों में क्यों बेकाबू हो रहा है कोरोना

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों ने बीते हफ्ते सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। लगातार जारी कोरोना विस्फोट को देखते हुए बीते हफ्ते पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों संग बैठक की थी। इसके बाद पीएम मोदी के निर्देश पर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पंजाब में स्थिति का जायजा लेने के लिए एक्सपर्ट्स की टीम भेजी गई थी। अब एक्सपर्ट्स की इन टीमों ने बताया है कि आखिर वह कौन सी वजहें हैं जिनकी वजह से कोरोना संक्रमण बेलगाम हो गया है।

एक्सपर्ट्स की टीम ने बताया है कि महाराष्ट्र के तीन जिलों में अस्पताल पूरे भरे पड़े हैं तो वहीं तीन अन्य जिलों में ऑक्सीजन सप्लाई में समस्या आ रही है। पंजाब में एक भी ऐसा अस्पताल नहीं है जो सिर्फ कोरोना मरीजों के लिए हो और साथ ही राज्य में स्वास्थ्यकर्मियों की भी कमी है। वहीं, छत्तीसगढ़ में आरटीपीसीआर टेस्ट की कमी है। जानें कहां-कैसा हाल-

महाराष्ट्र में सबसे बुरा हाल!

एक्सपर्ट्स की टीम के मुताबिक, महाराष्ट्र के तीन जिलों में अस्पताल लगभग फुल हैं। वहीं, तीन अन्य जिलों में आक्सीजन की आपूर्ति को लेकर समस्याएं हैं, कुछ अन्य जिलों में वेंटिलेटर सही से काम नहीं कर रहे हैं। राज्य के सतारा, भंडारा, पालघर, अमरावती, जालना और लातुर जैसे जिलों में क्षमता से ज्यादा कोरोना जांच हो रही है, जिसकी वजह से टेस्ट रिपोर्ट आने में भी देरी हो रही है। महाराष्ट्र के सर्वाधिक प्रभावित जिलों में कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग भी सही से न हो पा रही है।

पंजाब में स्वास्थ्यकर्मियों की कमी

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब के SAS नगर और रूपनगर जिलों में सिर्फ कोरोना मरीजों के लिए कोई भी अस्पताल नहीं है, जिसकी वजह से मरीजों को पड़ोसी जिलों या चंडीगढ़ भेजा जा रहा है। रूपनगर में डॉक्टरों और नर्सों की कमी के कारण वेंटिलेटरों का सही से इस्तेमाल तक नहीं हो पा रहा है। पटियाला और लुधियाना में कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की सख्त जरूरत है तो वहीं पटियाला में जांच की रफ्तार भी धीमी बताई गई है।

छत्तीसगढ़ इन जिलों में है कोरोना का कहर

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के बालोड, रायपुर, महासमंद और दुर्ग जैसे जिलों में कोरोना मरीजों के कारण अस्पताल भर गए हैं। इसके अलावा कुछ जिलों में रेमेडिसविर दवा की भी कमी है। वहीं रायपुर में ऑक्सीजन की बर्बादी भी सामने आई है। वहीं दुर्ग जिले के मरीजों को किसी और अस्पताल भेजने में सबसे बड़ी अड़चन ऐंबुलेंस की कमी को बताया गया है। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश के पांच राज्यों में कोरोना के 70.82 प्रतिशत ऐक्टिव केस हैं। ये पांच राज्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और केरल हैं। अकेले महाराष्ट्र में ही कोरोना के 48.57 फीसदी ऐक्टिव केस हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वैक्सीन से जुड़े सवाल

दुनिया में लोगों का वैक्सीन के प्रति विश्वास कमोबेश जम गया है, लेकिन एक वैक्सीन ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका को लेकर इन दिनों ज्यादा चिंता जाहिर की जा रही है। इस वैक्सीन की वजह से अनेक लोगों के खून में थक्के बनने की शिकायत बढ़ रही है। यह असामान्य स्थिति है, जिससे तमाम वैक्सीन के प्रति आशंका में इजाफा हो सकता है। वैज्ञानिक इस कोशिश में लगे हैं कि जल्द से जल्द समाधान खोजकर इस महत्वपूर्ण और सबसे नामी वैक्सीन को निरापद बनाया जाए। हफ्तों तक जांच के बाद यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी (ईएमए) ने 7 अप्रैल को घोषणा की है कि थक्के और वैक्सीन के बीच एक जुड़ाव की आशंका है। इसे बहुत दुर्लभ दुष्प्रभाव करार दिया जा रहा है। शायद वैक्सीन में कोई ऐसा तत्व है, जो रक्त को बाधित कर रहा है या उत्पादन प्रक्रिया में कोई कमी छूट जा रही है। इस नामी वैक्सीन का दुष्प्रभाव अगर मस्तिष्क या फेफड़ों में हो जाए, तो बहुत बड़ी समस्या पैदा हो जाती है। क्या यह दुष्प्रभाव केवल उन लोगों में हो रहा है, जो खून को पतला करने की खास दवा लेते हैं या कोई और कारण है, अनेक वैज्ञानिक व अस्पताल इस खोज में युद्ध स्तर पर लगे हैं। एस्ट्राजेनेका को ज्यादा सावधानी और अध्ययन के लिए कहा गया है। गौर करने की बात है कि इस वैक्सीन से महिलाओं को ज्यादा परेशानी हो रही है। इसकी वजह का पता अभी नहीं लग रहा है। क्या 60 से कम उम्र के लोगों में परेशानी हो रही है? क्या दुनिया के कुछ ही देशों में दुष्प्रभाव हो रहा है? अकेले यूरोप में ही 22 अस्पताल वैक्सीन की इस कमी की पड़ताल में लगे हैं। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से ही तैयार कोविशील्ड का भारत में प्रयोग अब तक बहुत सफल है और इससे किसी भी तरह का दुष्प्रभाव सामने नहीं आया है। शिकायतें यूरोपीय देशों और अमेरिका से आ रही हैं, लेकिन भारत में सीरम कंपनी जो कोविशील्ड वैक्सीन बना रही है, उसकी आपूर्ति आम तौर पर विकासशील देशों में हुई है और वहां से अभी तक शिकायत नहीं आई है। भारत सरकार ने बहुत सोचने-समझने के बाद यह कह दिया है कि भारत के टीकाकरण अभियान में कोविशील्ड का इस्तेमाल जारी रहेगा। पश्चिम में जो कंपनियां कोविशील्ड का निर्माण कर रही हैं, उन्हें भारत की सीरम कंपनी से अनुभव लेना चाहिए। जहां एक ओर वैक्सीन के दुष्प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं यह सवाल भी उठ रहा है कि दुनिया में क्या वैक्सीन की कमी होने लगी है। जैसे-जैसे टीकाकरण तेज हुआ है, वैसे-वैसे उत्पादन में कमी महसूस होने लगी है। दुनिया में पांच अरब विभिन्न टीकों का सालाना उत्पादन पहले होता था, लेकिन कोविड के टीकों के बाद कुल उत्पादन दोगुना हो गया है। अभी की क्षमता के अनुसार, वर्ष 2021 में दुनिया में 9.5 अरब कोविड वैक्सीन खुराक का उत्पादन हो सकेगा, जबकि जरूरत लगभग 12 अरब खुराक की है। भारत में जब टीकाकरण अभियान तेज हो रहा है, तब प्रतिदिन 40 लाख से ज्यादा वैक्सीन की जरूरत पड़ेगी, लेकिन मोटे तौर पर उत्पादन अभी प्रतिदिन 25 लाख से ज्यादा नहीं है। तात्कालिक कमी से घबराना नहीं चाहिए। अब समय आ गया है, देश में दूसरी कंपनियों को वैक्सीन बनाने की इजाजत दी जाए, ताकि देश और दुनिया में वैक्सीन की कोई कमी न हो।

आज के ट्वीट

विदाई

ादी बहुत बड़ी नेत्री हैं, उन्होंने बंगाल में 10 साल शासन किया है, इसलिए नकी कोई छोटी-मोटी विदाई नहीं होनी चाहिए, बल्कि धूमधाम से उनकी विदाई ोनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की झोली में 200 सीटें डाल कर आप ममता ादी की भव्य विदाई सुनिश्चित करें। -- अमित शाह

महामारी से बड़ा है जीने का जीवट

सुरेश सेठ

महामारी लौट आयेगी, ऐसी उम्मीद इस वर्ष के शुरू में नहीं थी। पिछला लगभग पूरा वर्ष कोविड-19 के प्रकोप को देश ने झेला। इसका मुकाबला जिस जीवट और स्वानुशासन के साथ देश ने किया, वह काबिलेतारीफ था। पिछले वर्ष इसी मास जनता ने स्वेच्छा से कर्फ्यू लगाया था, घरों से तालियां बजायीं, दीये जलाये, बर्तन खटखटा स्वर निनाद किया। पूर्णबन्दी का एक लम्बा सिलसिला और फिर धीरे-धीरे कोई और चारा न देख, बंदी मुक्ति के पांच चरणों के साथ अर्थव्यवस्था को खोलना। जब कोरोना ने दस्तक नहीं दी थी, देश पहले ही मन्दीग्रस्त होने लगा था। ऐसा रोग जिसकी कोई सटीक दवा, कोई उपचार नहीं था। इसको दुनिया के इस नंबर दो अत्यधिक जनसंख्या वाले देश ने पूरी गम्भीरता, धीरज और बेजा शिकायत के बिना झेला। शिक्षालय बन्द हो गये। मनोरंजन, पर्यटन और अन्य खुशगवार सेवाओं को ही काठ नहीं मारा, बल्कि आवश्यक उत्पादक इकाइयां भी निर्जीव हो गयीं। देश का सकल घरेलू उत्पाद 24 प्रतिशत के रिकार्ड स्तर तक गिरा। देश की आर्थिक विकास दर कहां तो दस प्रतिशत तक पहुंच देश को स्वतः स्फूर्त बना देने के सपने देख रही थी और कहां माइनस सात प्रतिशत से ऊपर के रिकार्ड स्तर पर आ गिरी । शहरों के काम धंधे उजड़ गये। देश में नियमित व्यापार से अधिक अनियमित व्यापार होता है। दोनों ही महामारी के इस प्रकोप से पैदा अकर्मण्यता के कारण उखड़ते नजर आये। आजादी के बाद यह एक उभरता संवरता समाज बन रहा था। नई आर्थिक नीतियों का प्रयोगधर्मी समाज था। मूलतः यह देश एक कृषक समाज था, जहां गांवों की युवा पीढ़ी हानिप्रद होते कृषि धंधे की विरासत को अब और स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थी। उन्चास प्रतिशत युवा आबादी वाले इस देश में ग्रामीण युवकों का पलायन महानगरों की ओर होने लगा था। गांवों से पलायन का आंकड़ा लगभग सवा करोड़ प्रतिवर्ष था, जो देश के महानगरों के औद्योगिकीकरण में अपना वैकल्पिक जीवन तलाश रहा था। जो वहां नहीं सिमट पा रहे थे, वह विदेशों का रुख कर रहे थे। लेकिन यह कैसी महामारी आयी कि उभरता हुआ यह औद्योगिक समाज अपनी जड़ों से उखड़ गया? महामारी से पूर्व देश में बेकारी की दर लगभग छह प्रतिशत थी, अब कोरोना प्रकोप की पूर्णबन्दी ने इस दर को कोरोना शिखर महीनों में बाइस से चौबीस प्रतिशत कर दिया। महानगरों और विदेशों में अपने लिए वैकल्पिक जीवन तलाशते गांवों के नौजवान अपनी जड़ों से उखड़ गये। क्या करते, विदेशों से स्वदेश, और महानगरों से फिर अपने गांव की माटी की ओर वापस लौटना शुरू हो गया क्योंकि वहां उम्मीद थी कि लगभग डेढ़ दशक से चलती हुई ग्रामीण रोजगार योजना 'मनरेगा' उन्हें वर्ष में सौ दिन का काम तो दे देगी। इन लौटते हुए लोगों की भीड़, देश भर में, तीन करोड़ से कम नहीं थी क्योंकि जो मनरेगा पिछले दस-बारह वर्ष से छह-सात करोड़ लोगों को आंशिक रोजगार दे रहा था, उसे अब ग्यारह करोड़ लोगों को इस आंशिक रोजगार के लिए संभालना पड़ा। यह सही है कि इस विकट समय में धरती पुत्र और देश का कृषक समाज अपनी कसौटी पर खरा उतरा। संक्रमण की जगह उन्होंने अपनी मेहनत को खुदा माना। जबकि देश के उद्योग, व्यवसाय और सेवा क्षेत्र ऋणात्मक वृद्धि दिखा रहे थे, यह कृषि क्षेत्र था जिसने सकारात्मक विकास दर दिखायी और देश को भरपूर अनाज दे उसे संक्रमण के साथ भुखमरी और अकाल की अतिरिक्त पीड़ा से बचाया। कोरोना का दबाव कम हुआ, अर्थव्यवस्था खुलने के साथ कुछ नौजवान वापस लौटे तो भी किसानों ने मेहनत के प्रतिदान पर विश्वास नहीं खोया। सरकार ने नये कृषि कानून लागू कर दिये। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के किसान इनसे प्रसन्न नहीं। दिल्ली की सरहद पर लम्बा धरना लगाये बैठे हैं, लेकिन एक बार भी वह अपनी धरती मां के प्रति अपना कर्तव्य नहीं भूले, बल्कि खेतों में उनकी फसलें उसी प्रकार लहलहाती रहीं। जब आंदोलन की गर्मागर्मी में यह कथित संदेश उभरा कि किसान एक बरस के लिए अपने फर्ज से कोताही कर लें, फसलों को परती छोड़ दें, या उनमें आग लगा दें, तो किसानों ने उसे स्वीकार नहीं किया। लेकिन देश का भाग्य ही उससे मुख मोड़ने पर उतारू हो गया।

सन् 2020 के आखिरी महीने थे, कोरोना दब रहा था, देश के चिकित्सा विशारद अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य विकसित देशों के साथ सुर मिलाकर कोरोना संक्रमण से बचाव और एंटीबाडीज को विकसित करने वाला दुष्प्रभाव रहित टीकाकरण विकसित करने में सफल हो गये। भारत में निर्मित ब्रिटिश कोविशील्ड और भारतीय टीकों से टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। प्रभावी टीकों की खोज जारी है। इधर कोरोना महामारी के भयावह प्रकोप का दबाव फिर शुरू हो गया। देश के पंजाब सहित बारह राज्यों में संक्रमण तेजी से बढ़ा। बन्दिशों, कर्फ्यू और आंशिक लॉकडाउन के दिन फिर से लौटने लगे। लोगों को सामाजिक दूरी, मास्क और सैनिटाइजेशन के आदेश का सख्ती से पालन का आदेश फिर मिला। महामारियों का यह चलन है कि उनकी लहरें फिर लौट-लौटकर आती हैं। दिल्ली में कोरोना दबाव को मुख्यमंत्री चौथी लहर और पेरिस, फ्रांस में इसे तीसरी लहर कहा जा रहा है। चाहे कोरोना का यह डबल म्यूटेंट वेरिएंट अधिक तेजी से फैल रहा है, पंजाब में इसके सबसे अधिक संक्रमण की रिपोर्ट है। लेकिन इस बार मेहनतकश इनसान और मजदूर और खेतों का किसान इस लौटती लहर से इतना घबराया नहीं है। अभी देश भर में पहली अप्रैल से टीकाकरण का चौथा चरण शुरू हो गया। इसमें बिना शर्त पैंतालिस बरस से ऊपर की आबादी को टीका लगाया जा रहा है।

लेकिन देश के इस टीकाकरण अभियान में एक परिवर्तन देखा जा रहा है। तीसरे चरण में जहां वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर टीका लगवाया था, वहां चौथे चरण में अब टीका देश के गांवों तक भी पहुंच गया। जमीनी रिपोर्ट है कि ग्रामीण आबादी बढ़-चढ़कर टीका लगवा रही है और अबकी बार इस महामारी के सर्वग्रासी चंगुल में फंसने से इनकार कर रही है। स्पष्ट है जीवन संघर्ष में जूझ जाने का अदम्य संकल्प रखने वाले इस देश का ग्रामीण समाज भी स्वीकार कर रहा है कि महामारियों की लहरों का मुकाबला तो टीकाकरण से होता ही रहेगा, पहले भी इसी तरह होता रहा है। लेकिन गरिमा और मेहनत के साथ जीने का जीवट छोड़ना नहीं है, चाहे सामाजिक एहतियात रखकर ही इसे क्यों न जिंदा रखा जाये।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

दलील

आचार्य रजनीश ओशो/ जीवन एक बड़ी संपदा है, लेकिन आदमी ्वाय उसे फेंकने और गंवाने के कुछ भी नहीं करता है! जीवन क्या है, ह भी पता नहीं चल पाता और हम उसे फेंक देते हैं! जीवन में क्या छिपा ा--कौन से राज, कौन सा रहस्य, कौन सा स्वर्ग, कौन सा आनंद, कौन ी मुक्ति-उस सबका कोई भी अनुभव नहीं हो पाता और जीवन हमारे हाथ रिक्त हो जाता है! इन आने वाले तीन दिनों में जीवन की संपदा पर ये ोड़ी सी बातें मुझे कहनी हैं, लेकिन जो लोग जीवन की संपदा को पत्थर ान कर बैठ गए हैं, वे कभी आंख खोल कर देख पाएंगे कि जिन्हें उन्होंने त्थर समझा है वे हीरे-माणिक हैं, यह बहुत कठिन है। और जिन लोगों ने ीवन को पत्थर मान कर फेंकने में ही समय गंवा दिया है, अगर आज नसे कोई कहने जाए कि जिन्हें तुम पत्थर समझ कर फेंक रहे थे वहां ीरे-मोती भी थे, तो वे क्रोध से भर जाएंगे। इसलिए नहीं कि जो बात कही ई वह गलत है, बल्कि इसलिए कि यह बात इस बात का स्मरण दिलाती कि उन्होंने बहुत सी संपदा फेंक दी है, लेकिन चाहे हमने कितनी ही ंपदा फेंक दी हो, अगर एक क्षण भी जीवन का शेष है तो फिर भी हम ुछ बचा सकते हैं और कुछ जान सकते हैं और कुछ पा सकते हैं। जीवन की खोज में कभी भी इतनी देर नहीं होती कि कोई आदमी निराश होने का कारण पाए, लेकिन हमने यह मान ही लिया है-अंधेरे में, अज्ञान में-कि जीवन में कुछ भी नहीं है सिवाय पत्थरों के! जो लोग ऐसा मान कर बैठ गए हैं, उन्होंने खोज के पहले ही हार स्वीकार कर ली है। मैं इस हार के संबंध में, इस निराशा के संबंध में, इस मान ली गई पराजय के संबंध में सबसे पहली चेतावनी यह देना चाहता हूं कि जीवन मिट्टी और पत्थर नहीं है। जीवन में बहुत कुछ है। जीवन के मिट्टी-पत्थर के बीच भी बहुत कुछ छिपा है। अगर खोजने वाली आंखें हों, तो जीवन से वह सीढ़ी भी निकलती है जो परमात्मा तक पहुंचती है। इस शरीर में भी-जो देखने पर हड्डी, मांस और चमड़ी से ज्यादा नहीं है-वह छिपा है जिसका हड्डी, मांस और चमड़ी से कोई भी संबंध नहीं है। इस साधारण सी देह में भी-जो आज जन्मती है, कल मर जाती है और मिट्टी हो जाती है-उसका वास है जो अमृत है, जो कभी जन्मता नहीं और कभी समाप्त भी नहीं होता है। रूप के भीतर अरूप छिपा है; और मृत्यु के कुहासे में अमृत की ज्योति छिपी हुई है। मृत्यु के धुएं में अमृत की लौ भी छिपी हुई है, वह ज्योति भी छिपी हुई है, जिसकी कोई मृत्यु नहीं है।

आदत के अनुसरण में सफलता का मंत्र

रेनू सैनी

प्रत्येक सफल व्यक्ति अपनी अच्छी आदतों के ारण कामयाब होता है। आदतें अच्छी और बुरी ोती हैं। वे आदतें जो हमें प्रगति, सच्चाई और ्च्छाई के मार्ग पर लेकर जाती हैं, अच्छी होती हैं ौर जो आदतें हमें शारीरिक व मानसिक रूप से ीमार करती हैं, वे बुरी आदतें होती हैं। अच्छी ादतें सुबह जल्दी उठना, व्यायाम करना, प्रार्थना ्रना, अपने दैनिक कार्यकलापों की सूची बनाना, ्मय पर संतुलित भोजन करना आदि हैं वहीं बुरी ादतों में नशे का सेवन, देर तक सोना, हर वक्त ुछ न कुछ खाते रहना, अत्यधिक फास्ट फूड का ्वन, नाखून चबाना आदि हैं। अच्छी आदतें हर व्यक्ति अपनाना चाहता है। इसलिए अक्सर नववर्ष पर कई लोग अपने अंदर अच्छी आदतें अपनाने के संकल्प लेते हैं लेकिन कुछ समय बाद ही वे पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है कि अच्छी आदतें जीवन का अंग ज्यादा समय तक नहीं बन पातीं। क्या अच्छी आदतों को अपनाना बहुत मुश्किल है। यदि ऐसा है तो कई लोग कैसे उन आदतों को आसानी से अपना लेते हैं और दिन-प्रतिदिन सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वे व्यक्ति अच्छी आदतों को अपने जीवन का अंग बनाने के लिए हैबिट ट्रेकिंग का प्रयोग करते हैं। हैबिट ट्रेकिंग अपनी आदतों को नियम से करने की सूची बनाना है। सफल लोग बहुत पहले से इस प्रक्रिया को जानते हैं और इसे अपनाकर अपने हर लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। वर्ष 1993 में कनाडा के एबॉट्सफोर्ड में एक बैंक ने ट्रेंट डेयरस्मिड नामक तेईस साल के एक स्टॉकब्रोकर को काम पर रखा। एबॉट्सफोर्ड एक छोटा सा शहर था, जो वैंकूवर की छाया में बसा था। बैंक जानता था कि ट्रेंट कम उम्र का एवं नौसिखिया है। इसलिए वे उसकी कार्य शैली पर भी बहुत कम ध्यान देते थे। लेकिन एक साधारण सी दैनिक आदत के कारण डेयरस्मिड ने इस क्षेत्र में आशातीत प्रगति की और सभी को दांतो तले अंगुली दबाने पर मजबूर कर दिया। यह आदत हैबिट ट्रेकिंग की थी। डेयरस्मिड हर सुबह काम प्रारंभ करने से पहले अपनी डेस्क पर दो जार रख देते थे। पहले जार में 120 पेपर क्लिप्स रहते थे। दूसरा जार खाली रहता था। जैसे ही वे अपनी सेल्स कॉल करनी शुरू करते, वैसे ही उस जार से एक क्लिप निकालकर खाली जार में डालते रहते थे। उनका कहना था, 'मैं हर सुबह 120 पेपर क्लिप्स से आरंभ करता था और तब तक फोन करता रहता था, जब तक कि मैं पहले जार की क्लिप दूसरे ज़ार में न डाल दूं।' साधारण दृष्टि से देखा जाए तो मुश्किल है लेकिन अगर हैबिट ट्रेकिंग के नज़रिए से देखा जाए तो कोई मुश्किल नहीं है क्योंकि हैबिट ट्रेकिंग की आदत व्यक्ति के अंदर प्रेरणा, उत्साह और आत्मविश्वास को जागृत करके रखती है और जैसे-जैसे व्यक्ति हैबिट ट्रेकिंग की प्रतिदिन की निर्धारित अवधि को पूरा करता जाता है तो उसके अंदर जैसे एक नई शक्ति का उदय हो जाता है। अपनी हैबिट ट्रेकिंग की आदत के कारण ही डेयरस्मिड ने मात्र अठारह महीनों में 50 लाख डॉलर फर्म को दिए। केवल चौबीस साल की आयु में ही उसे हर साल 75,000 डॉलर मिलने लगे। इस तरह बहुत ही कम समय में उसे छह अंकों के वेतन वाली नौकरी मिल गई, जिसका स्वप्न हर युवा देखता है। उसे डेयरस्मिड ने अपनी हैबिट ट्रेकिंग से जल्दी ही यथार्थ में बदल दिया। इसी तरह कुछ लोग हैबिट ट्रेकिंग के लिए कंचों, बॉल और हेयरपिन का प्रयोग भी करते हैं। एक सफल लेखिका जब भी अपनी पुस्तक का एक पेज लिखती तो वे एक कंटेनर से दूसरे कंटेनर में हेयर पिन डालती जाती थी। वहीं एक क्रिकेटर अपने नियमित अभ्यास के एक चरण को पूरा करने के बाद बॉल को खाली बर्तन में डाल देता था। इसी तरह एक व्यक्ति सिट अप्स का एक राउंड पूरा करने पर एक कंचे को खाली कंटेनर में डाल देता था। ऐसा करने से ये सभी व्यक्ति अपनी आदतों का नियमित पालन कर रहे थे। जिस दिन कोई व्यक्ति अपना कार्य नहीं कर पाता था, उस दिन कंचे, बॉल और हेयरपिन पहले डिब्बे में ही भरे रहते थे। उन पर नज़र जाते ही इन व्यक्तियों को यह अहसास होता था कि आज दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा छूट गया है। हैबिट ट्रेकिंग के ये फॉर्मूले अपनाकर हर व्यक्ति अपने अंदर अच्छी आदतों का विकास कर सकता है और आदतों को नियमित बनाए रख सकता है। हैबिट ट्रेकिंग बहुत मुश्किल काम नहीं है, आप इसको अपनी सुविधानुसार कैसे भी अंजाम दे सकते हैं, अगर कंचे, बॉल, हेयरपिन न जुटा पाएं तो कैलेंडर पर भी निशान लगा सकते हैं। या फिर अपने हाथों से आकर्षक तरह से हैबिट ट्रेकिंग का कैलेंडर बना सकते हैं। जब आप निर्धारित अवधि में अपना कार्य कर लें तो पेन से स्केच पेन से उस दिन व समय पर निशान लगा दें। हैबिट ट्रेकिंग से व्यक्ति का न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है, अपितु उसके अंदर आत्मविश्वास, नेतृत्व, एकाग्रता एवं कौशल का गुण भी विकसित होता है। जीवन में सफलता इन्हीं तत्वों के मिश्रण का परिणाम होती है।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

Corona vaccine: एमेजॉन 10 लाख लोगों के वैक्सीनेशन का उठाएगा खर्च, कर्मचारियों समेत इन्हें मिलेगा लाभ

नेशनल डेस्क। देश की पॉपुलर ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन इंडिया ने कोरोना से लड़ाई में लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। कंपनी ने 10 लाख लोगों के वैक्सीनेशन का खर्च उठाने की बात कही है। ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन ने सोमवार को कहा कि वह अपने और सहयोगी इकाइयों के सभी भारतीय कर्मचारियों के टीकाकरण का खर्चा उठाएगी। कंपनी के बयान के अनुसार इसमें अमेजन फ्लेक्स ड्राइवर्स समेत डिलिवरी व्यवस्था से जुड़े भागीदार, भंडारण भागीदार आई हैव स्पेस, ट्रक भागदारी तथा उन के आश्रित शामिल हैं। यह लाभ इस आनलाइन बिक्री मंच पर पिछले साल से सक्रिय रूप से सूचीबद्ध होने के साथ अमेजन डॉट इन पर सभी विक्रेताओं के लिए भी उपलब्ध होगा बयान के अनुसार, कोविड-19 टीका अब भारत में 45 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए उपलब्ध है। अमेजन इंडिया अपने कर्मचारियों, अमेजन डॉट इन पर सूचीबद्ध विक्रेताओं और भागीदारों को टीकाकरण के लिये प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे स्वयं, अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों की रक्षा कर सके। बयान में कहा गया है कि कंपनी अपने, सहयोगी इकाइयों के साथ-साथ भागीदार नेटवर्क से जुड़े सभी भारतीय कर्मचारियों के टीकाकरण का खर्चा उठाएगी।

कोविड-19: कई राज्यों में फैली दूसरी लहर, मध्य प्रदेश, पंजाब टीकाकरण में पीछे

मुंबई, रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में सोमवार को बताया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर कई राज्यों में फैल चुकी है, जबकि मध्य प्रदेश तथा पंजाब जैसे राज्य टीकाकरण में काफी पीछे हैं। क्रिसिल की शोध शाखा की एक रिपोर्ट में कहा गया कि 11 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में सामने आए नए मामलों में 66 प्रतिशत शीर्ष छह राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और गुजरात, से हैं, जबकि इससे पिछले सप्ताह यह आंकड़ा 75 प्रतिशत था। यानी संक्रमण इन राज्यों के अलावा दूसरी जगह तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''फैलाव दर्शाता है कि अधिक से अधिक राज्य अब दूसरी लहर की चपेट में आने लगे हैं।'' क्रिसिल ने आगे कहा कि संक्रमण बढ़ने की एक वजग बढ़ी हुई जांच हो सकती है, लेकिन दूसरी वजह संक्रमण की उच्च दर भी है, जो अब 10.6 प्रतिशत है, जबकि सितंबर 2020 में यह आंकड़ा 6.4 प्रतिशत था। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात और छत्तीसगढ़ ने 11 अप्रैल तक प्रति दस लाख लोगों के मुकाबले अपेक्षाकृत अधिक लोगों को टीका लगाया है, जबकि पंजाब और मध्य प्रदेश इसमें पिछड़ रहे हैं। इस बीच, विदेशी ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज ने कहा कि यदि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दो महीने तक आवाजाही संबंधी प्रतिबंध और सप्ताहांत में लॉकडाउन जारी रहा, तो इससे वास्तविक जीडीपी में 0.2 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म ने जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 11 प्रतिशत पर बनाए रखना है।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों स्थिरता 13वें दिन जारी, कोरोना काल में तेल में नरमी

नई दिल्ली।

पेट्रोल और डीजल के दाम में स्थिरता सोमवार को लगातार 13वें दिन बनी रही। उधर, कोरोना के गहराते कहर से तेल की खपत पर असर पड़ने की आशंकाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में नरमी देखी जा रही है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल में नरमी से आयात सस्ता होगा, जिसके फलस्वरूप तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती कर सकती हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम सोमवार को क्रमशः 90.56 रुपये, 90.77 रुपये, 96.98 रुपये और 92.58 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहे। डीजल की कीमतें भी दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में क्रमशः 80.87 रुपये, 83.75 रुपये, 87.96 रुपये और 85.88 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई हैं। इससे पहले, 30 मार्च को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में दिल्ली में 22 पैसे, कोलकाता और मुंबई में 21 पैसे, जबकि चेन्नई में 19 पैसे प्रति लीटर की कटौती की थी। वहीं, डीजल के दाम में दिल्ली और कोलकाता में 23 पैसे, जबकि मुंबई में 24 पैसे और चेन्नई में 22 पैसे प्रति लीटर कटौती की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड के जून डिलीवरी अनुबंध में सोमवार को बीते सत्र से 0.64 फीसदी की कमजोरी के साथ 62.55 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहीं, न्यूयॉर्क मकेर्टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर डब्ल्यूटीआई के मई डिलीवरी अनुबंध में बीते सत्र से 0.67 फीसदी की कमजोरी के साथ 58.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था।

महिंद्रा थार की बुकिंग ने 50,000 के आंकड़े को पार किया

नयी दिल्ली,

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को कहा कि पेशकश के छह महीने के भीतर महिंद्रा थार की बुकिंग 50,000 के आंकड़े को पार कर गई है। ऑटो कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके डिजाइन, प्रदर्शन, ऑफ-रोड क्षमता, सहूलियत, तकनीक और सुरक्षा के साथ थार को काफी पसंद किया जा रहा है। एमएंडएम ऑटो ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय नाकरा ने कहा, ''हम इस अभूतपूर्व प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं, जो नई थार को मिली है। वास्तव में ये हमारी उम्मीद से बढ़कर है।'' उन्होंने कहा कि मॉडल की प्रतीक्षा अवधि उम्मीद से अधिक है।

अर्थव्यवस्था पर दोहरी मारः मार्च में बढ़ी खुदरा महंगाई, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन फरवरी में 3.6% गिरा

बिजनेस डेस्कः

कोरोना वायरस के बेकाबू होते हालात के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार पड़ी है। एक तरफ जहां मार्च, 2021 में रिटेल महंगाई दर बढ़ी है, वहीं फरवरी, 2020 में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में भारी गिरावट आई है। सोमवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकडों के मुताबिक, मार्च में महंगाई दर बढ़कर 5.52 फीसदी रही, जो फरवरी महीने में 5.03 फीसदी पर थी। वहीं, फरवरी में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन रेट में 3.6त्न की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार चौथा महीना है जब रिटेल इंफ्लेशन **RBI** द्वारा तय किए गए ब्रैक्ट में है। **RBI** ने अगले 5 साल के लिए रिटेल इंफ्लेशन को 4% से 6% के बीच रखने का टार्गेट रखा है। जनवरी में रिटेल महंगाई दर 4.06 फीसदी रही थी जो अक्टूबर 2019 के बाद सबसे निचला स्तर था। आपको बता दें कि फरवरी, 2021 में रिटेल महंगाई दर 5.03% और जनवरी, 2021 में 4.06% पर था।

कहां-कहां आई गिरावट

फरवरी 2021 में इंडस्ट्रिल प्रोडक्शन इंडेक्स में पिछले साल के मुकाबले 3.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसमें माइनिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 3.7 फीसदी, प्राइमरी गुड्स सेक्टर में 5.1 फीसदी, कैपिटल गुड्स में 4.2 फीसदी, इंटरमीडिएट गुड्स में 5.6 फीसदी, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 4.7 फीसदी और कंज्यूमर नॉन-ड्यूरेबल सेक्टर में 3.8 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि कंज्यूमर ड्यूरेबल में 6.3 फीसदी और इलेक्ट्रिसटी कंजप्शन में 0.1 फीसदी का सुधार दर्ज किया गया है।

भारत में पिछले 12 महीनों में डिजिटल भुगतान में 76 प्रतिशत की वृद्धि

बेंगलुरू।

इस साल की पहली तिमाही में ऑनलाइन लेनदेन में 76 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। 2020 में समान अवधि की तुलना में इस वर्ष की पहली तिमाही में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान टियर 2 और टियर 3 शहरों एवं कस्बों में सभी ऑनलाइन लेनदेन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान जारी रहा। एक नई रिपोर्ट ने सोमवार को यह दावा किया गया है। 2020 में महामारी के कारण भारी गिरावट के बाद, यात्रा उद्योग में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि अचल संपत्ति (रियल इस्टेट) में इस वर्ष के पहले तीन महीनों में 69 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। पर्यटन के खुलने के साथ, जम्मू-कश्मीर ने पहली बार शीर्ष 10 डिजिटल रूप से समावेशी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थान बनाया है। जम्मू-कश्मीर ने जनवरी-मार्च अवधि में ऑनलाइन लेनदेन में 36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों से ऊपर रैंकिंग पाई है। फुल-स्टैक फाइनेंशियल सॉल्यूशंस कंपनी राजोरपे द्वारा अपनी द एरा ऑफ राइजिंग फिनटेक रिपोर्ट में पेश किए गए आंकड़ों में यह खुलासा हुआ है। भुगतान विकल्प जैसे कि बाय नाऊ पे लेटर (बीएनपीएल) में पिछले 12 महीनों में 569 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। उपभोक्ताओं की ओर से थोक भुगतान से बचने वाले और किफायती भुगतान मोड को तरजीह देने के साथ यह तेजी देखी गई है। यूपीआई भुगतान को दी जाने वाली तवज्जो जारी है, जिसके बाद डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नेटबैंकिंग का नंबर आता है। राजोरपे में एसएमई कारोबार के प्रमुख वेदनारायण वेदांथम ने एक बयान में कहा, इस डिजिटल अडॉप्शन का 50 प्रतिशत से अधिक फिलहाल टियर 2 और टियर 3 शहरों से आ रहा है, जो दर्शाता है कि यह महज एक शहरी तथ्य नहीं है। छोटे व्यवसाय नए भुगतान के तरीके प्रदान कर रहे हैं और एक व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंच रहे हैं, जो भौगोलिक सीमाओं को पार करता है। पिछले कुछ महीनों में उपभोक्ता तेजी से ऑनलाइन ऑर्डर कर रहे हैं और एफएंडबी उद्योग में जनवरी से मार्च तक 69 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, स्कूल, कॉलेजों और ऑनलाइन शिक्षण संस्थानों ने तेजी से फीस और वेतन भुगतान के लिए ऑनलाइन भुगतान स्वीकार किया है, जो कि ऑनलाइन लेनदेन में 40 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

कोविड की नई लहर से घबराया बाजार, सेंसेक्स 1,708 अंक टूटा, निवेशकों के 8.77 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुंबई,

कोविड-19 संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच निवेशकों की घबराहटपूर्ण बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 1,708 अंक का गोता लगा गया, जबकि निफ्टी 14,350 अंक के स्तर से नीचे आ गया। कारोबारियों ने कहा कि महामारी की दूसरी लहर उम्मीद से अधिक घातक साबित हो रही है और स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन के बीच भागीदार पुनरुद्धार को लेकर नए सिरे से आकलन करने लगे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में भी लगातार गिरावट से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। निवेशकों की घबराहटपूर्ण बिकवाली के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,707.94 अंक या 3.44 प्रतिशत के नुकसान से 47,883.38 अंक पर आ गया। यह 26 फरवरी के बाद सेंसेक्स में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 524.05 अंक या 3.53 प्रतिशत के नुकसान से 14,310.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में सिर्फ डॉ. रेड्डीज 4.83 प्रतिशत के लाभ में रहा जबकि अन्य में गिरावट आई है। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे अधिक 8.60 प्रतिशत टूट गया। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, ओएनजीसी, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में सोमवार को आई जोरदार गिरावट के बीच निवेशकों की 8.77 लाख करोड़ रुपये की पूंजी डूब गई। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 200.85 लाख करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में एक दिन में संक्रमण के 1,68,912 नए मामले आए हैं। महामारी की शुरुआत के बाद यह सबसे ऊंचा आंकड़ा है। देश में संक्रमण का आंकड़ा अब 1,35,27,717 पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय स्तर पर कोविड से उबरने की दर घटकर 90 प्रतिशत से नीचे आ गई है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''लॉकडाउन के क्रियान्वयन और कोविड के नए मामले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से बाजार एक माह के निचले स्तर पर आ गया। इससे चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि उम्मीद से कहीं अधिक प्रभावित होने की आशंका है।'' नायर ने कहा, ''इसका प्रभाव समझा जाता है कि बैंकिंग और विवेकाधीन क्षेत्रों पर कहीं अधिक पड़ सकता है। कारोबार का यह रुख अभी कुछ सप्ताह जारी रहेगा। कोविड के मामले घटने शुरू होने पर ही बाजार की स्थिति सुधरेगी।'' बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 5.32 प्रतिशत तक की गिरावट आई। वैश्विक बाजार भी अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर से नीचे आ गए।

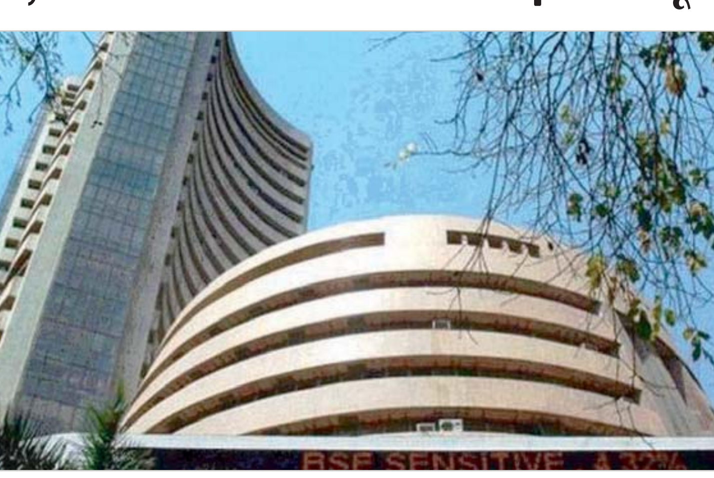

अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान के निक्की में गिरावट आई। वहीं दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में लाभ रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार बढ़त में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.31 रुपये प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और यह 32 पैसे और टूटकर 75.05 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

फ्लिपकार्ट का अडाणी समूह के साथ समझौता, 2500 लोगों को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

नयी दिल्ली,

वालमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने सोमवार को कहा कि उसने अपनी लॉजिस्टिक्स और डेटा केंद्र क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अडाणी समूह के साथ एक वाणिज्यिक साझेदारी की है, जिससे करीब 2,500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस दोतरफा साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट अडाणी पोर्ट्स लिमिटेड एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर काम करेगी, ताकि आपूर्ति श्रृंखला के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके और ग्राहकों को तेजी से सेवाएं मुहैया कराई जा सकें। इसके अलावा फ्लिपकार्ट अपने तीसरे डेटा सेंटर की स्थापना अडाणीकॉनेक्स के चेन्नई स्थित संयंत्र में करेगी। अडाणीकॉनेक्स, एजकॉनेक्स और अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इस साझेदारी के वित्तीय ब्यौरे की जानकारी नहीं दी गई है। इस भागीदारी के तहत अडाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड मुंबई में अपने आगामी लॉजिस्टिक हब में 5.34 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले गोदाम का निर्माण करेगी, जिसे फ्लिपकार्ट को पश्चिमी भारत में ई-कॉमर्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पट्टे पर दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि यह केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होगा और इसके 2022 की तीसरी तिमाही में चालू होने की उम्मीद है। इस केंद्र में बिक्री के लिए उपलब्ध एक करोड़ इकाइयों को रखने की क्षमता होगी। कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी से फ्लिपकार्ट की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी, छोटे और मझोले कारोबारियों को मदद मिलेगी तथा 2,500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और हजारों की संख्या में अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध होगा। इस सौदे पर अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अडानी ने कहा, ''मैं भारत के दो सबसे तेजी से बढ़ते व्यवसायों को सबसे महत्वपूर्ण और बेहतरीन अवसंरचना के निर्माण में मदद के लिए साथ आते देखकर बहुत खुश हूं। यह आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप है।'' उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर कारोबार के लिए यह साझेदारी अनूठी है और इससे फिलपकार्ट की भौतिक तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

शारदा मोटर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ग्रेटर नोएडा स्थित विनिर्माण संयंत्र बंद किया

नयी दिल्ली,

शारदा मोटर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने ग्रेटर नोएडा स्थित अपनी विनिर्माण इकाई को बंद कर दिया है, जहां से वह मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा को कैनोपी की आपूर्ति करती है। शारदा मोटर इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को बताया कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर बायपास औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कंपनी की एक इकाई में सभी तरह की कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। कंपनी ने बताया कि मारुति सुजुकी के जिप्सी मॉडल के लिए काम बंद हो गया है, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए विनिर्माण संयंत्र को नासिक स्थानांतरित किया गया है। ग्रेटर नोएडा इकाई ने 2020-21 में लगभग 1.66 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व हासिल किया था। कंपनी ने बताया कि 30 अप्रैल तक परिचालन पूरी तरह बंद हो जाएगा।

अब तक 24.9 लाख टन चीनी का निर्यात, अधिकतम निर्यात इंडोनेशिया कोः एआईएसटीए

नयी दिल्ली,

चीनी मिलों ने सितंबर में समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष 2020-21 में अब तक देश से 24.9 लाख टन चीनी का निर्यात किया है, जिसमें ज्यादा से ज्यादा निर्यात इंडोनेशिया को हुआ है। व्यापार संगठन एआईएसटीए ने सोमवार को यह जानकारी दी। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने एक बयान में कहा कि खाद्य मंत्रालय ने चीनी मिलों को निर्यात के लिए 60 लाख टन का कोटा दिया है जिसमें से मिलों ने 33.3 लाख टन चीनी निर्यात का अनुबंध किया है। चीनी विपणन वर्ष को समाप्त होने में अभी पांच महीने बाकी रहने के बीच, एसोसिएशन को लगता है कि चीनी मिलों में अपनी निर्यात प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की क्षमता है।चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। एआइएसटीए के अनुसार, चीनी मिलों ने एक जनवरी से नौ अप्रैल, 2021 तक कुल 24.9 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। एआईएसटीए के उपाध्यक्ष राहिल शेख ने कहा, ''हम इस साल 60 लाख टन के निर्यात लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इंडोनेशिया, अफगानिस्तान और श्रीलंका शीर्ष तीन खरीदार देश हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछले साल, ईरान भारतीय चीनी के लिए शीर्ष निर्यात गंतव्य था। इस साल, मुद्रा से जुड़े मुद्दो की वजह से ईरान को निर्यात नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और श्रीलंका हमारे चीनी के नियमित खरीदार हैं, जबकि इस साल निर्यात के नये गंतव्य के बतौर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जुड़ा है। एआईएसटीए ने कहा कि अब तक किए गए कुल निर्यात में से, नौ अप्रैल, 2021 तक चीनी मिलों ने इंडोनेशिया को 9,61,594 टन, अफगानिस्तान को 3,08,302 टन और श्रीलंका को 2,46,391 टन चीनी का निर्यात किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस साल निर्यात लक्ष्य पूरा किया जाएगा, शेख ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इस साल कुल हाजिर निर्यात 55 लाख टन तक पहुंच जाएगा। मानसून और लॉकडाउन संबंधी मुद्दों से लगभग पांच लाख टन अगले विपणन वर्ष में बचे स्टॉक के रूप में बेचा जा सकता है।

हालांकि, पूरे 60 लाख टन का निर्यात किये जाने को अपेक्षा की गई है।

बिहार : मौसम की मार झेल रहे लीची किसानों को अब कोरोना का डर

बिहार ।

मौसम की मार झेल रहे लीची किसानों को अब कोरोना का डरमुजफ्फरपुर, 12 अप्रैल (आईएएनएस)। बिहार में लीची के लिए चर्चित मुजफ्फरपुर के लीची किसान इन दिनों कोरोना की दूसरी लहर से आशंकित हैं। इस साल पहले से ही मौसम के अनुकूल नहीं होने के कारण लीची की पैदावार कम होने को लेकर किसान आशंकित हैं और फिर से कोरोना की दूसरी लहर ने इनकी रही सही आशा पर भी पानी फेर रही है। इस वर्ष मुजफ्फरपुर के अधिकांश क्षेत्रों के लीची बगानों में अधिक समय तक नमी रहने और अचानक गर्मी आ जाने के कारण लीची के पौधों में मंजर कम लगे हैं, जिससे फलों की संख्या कम है। लीची किसान कहते हैं कि इस बार अभी तक बाहर के व्यवसायियों ने लीची के बाग नहीं खरीदे हैं। वे दानों (फलों) के और पुष्ट और आकार लेने का इंतजार कर रहे हैं।

पिछले साल लॉकडाउन की वजह से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ था। इस बार भी कुछ इसी तरह की स्थिति बन रही है। मुजफ्फरपुर के बंदरा क्षेत्र के रहने वाले लीची किसान एस के दुबे बताते हैं कि बागों में पेड़ों पर मंजर नहीं आए हैं। अब समय से पहले तेज धूप और उच्च तापमान की वजह से फल अभी तक विकसित नहीं हुए हैं और गिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल अभी तक बाहर के व्यापारी भी नहीं पहुंच सके हैं। लीची उत्पादन संघ के अध्यक्ष बच्चा सिंह कहते हैं कि, जिले में तकरीबन 12 हजार हेक्टेयर में लीची के बाग हैं। प्रत्येक साल करीब 400 करोड़ का कारोबार होता है। बिहार के अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और नेपाल की मंडियों में इसकी खपत होती है। फसल अच्छी होने पर 15 हजार टन तक उत्पादन होता है। पिछले साल करीब 10 हजार टन ही उत्पादन हुआ था। इस बार भी फसल कमजोर है। उन्होंने कहा, पिछले साल अधिक समय तक बारिश होने के कारण क्षेत्र में जलजमाव रहा। इस कारण 50 फीसद पेड़ों में सही समय पर मंजर नहीं आए। जिन पेड़ों में फल आए, वह गिर रहे हैं। इसी बीच कोरोना की दूसरी लहर ने रही सही कसर पूरी कर दी। उन्होने बताया कि आमतौर अब तक यहां बाहर से व्यवापारी आकर बागों में लगे पेडों में फलों को देखकर खरीददारी कर चुके होते थे, लेकिन कोरोना के कारण अधिकांश व्यापारी अब तक नहीं पहुंचे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्तिक द हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए कमेंट्री पैनल में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक इंग्लिश क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड के लिए स्काई स्पोटर्स के कमेंट्री पैनल में शामिल किए गए हैं। द हंड्रेड टूर्नामेंट नए प्रारूप का खेल है। इसका आयोजन महिला टीमों ओवल इंविंसिबल्स और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के बीच द किआ ओवल में 21 जुलाई को होने वाले मैच से होगा। कमेंट्री लाइन अप में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ भी शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन, तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड और महिला टीम की खिलाड़ी टैमी ब्यूमोंट जो टूर्नामेंट के दौरान लंदर स्पिरिट के लिए खेलेंगी उन्हें भी लाइन अप में शामिल किया गया है। इसके अलावा पाकिस्तान के वसीम अकरम, श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा, वेस्टइंडीज को अपनी कप्तानी में दो बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले डेरेन सैमी और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की पूर्व खिलाड़ी मेल जोन्स भी कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगी।

आईपीएल-14 : डी कॉक की वापसी, केकेआर को हराकर जीत का आगाज चाहेगा मुम्बई

चेन्नई।

क्विंटन डी कॉक क्वारंटीन में होने के कारण मुम्बई इंडियंस के उद्घाटन मुकाबले में नहीं खेल सके थे। अब वह टीम में आ गए हैं और अब जबकि अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को मुम्बई का सामना कोलकाता नाइट राइजर्स से होना है, वह आईपीएल-14 में पहली जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। मुम्बई को अपने पहले मैच में रा1यल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों 2 विकेट से हार मिली थी। यह हार अंतिम गेंद पर मिली थी। मुम्बई की टीम नौ मौकों पर सीजन ओपनर नहीं जी सकी। इसका मतलब यह है कि क्रिस लिन, जो 9 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ हुए मैच में मुम्बई के शीर्ष स्कोरर थे, को बेंच पर बैठना पड़ सकता है क्योंकि प्रोटीज विकेटकीपर-बल्लेबाज को कप्तान रोहित शर्मा के साथ नई गेंद का सामना करना पड़ेगा। मुम्बई के क्रिकेट निदेशक जहीर खान ने कहा, क्विंटन डी कॉक अपने संगरोध से बाहर हैं। उन्होंने कल (रविवार को) टीम के साथ अभ्यास किया था। हां, वह कल के खेल के लिए उपलब्ध रहेंगे। जहीर ने कहा, यह एक अच्छा सिरदर्द है। एक ऐसे दस्ते का हिस्सा होना भाग्यशाली है जहां लोग अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुम्बई की पावर-पैक मध्यम और निचली बल्लेबाजी हर्षल पटेल की कुछ प्रेरित और बुद्धिमान गेंदबाजी के खिलाफ विफल रही। लेकिन पंड्या बंधुओं और कीरोन पोलार्ड सहित अन्य बल्लेबाजों के बीच उनकी पावर-हिटिंग इकाई लगातार दो बार असफल होगी, ऐसा लगता नहीं है। इस टीम का सामना करना कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक बड़ी चुनौती होगी जिसने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर करीबी लेकिन प्रभावशाली जीत दर्ज की। अपने स्पिन गेंदबाजों के साथ, जिन पर वे पिछले सीजन तक भरोसा करते थे, रविवार के खेल में प्रभावी साबित नहीं हुए, ऐसे में मुम्बई की बल्लेबाजी इयोन मोर्गन की चिंता का सबब बन सकती है। दूसरे बदलाव के रूप में आए पैट कमिंस फिर से केकेआर की गेंदबाजी इकाई की कमान संभालेंगे।

एक दिलचस्प मुकाबला जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बाउल्ट तथा नीतीश राणा के बीच होगा, जिन्होंने सनराइजर्स की मजबूत गेंदबाजी इकाई का सामना करते हुए केकेआर के लिए 56 गेंदों पर 80 रन बनाए थे।

विलियम्सन को मैच के लिए फिट होने में समय लगेगा : बेलिस

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस ने बताया है कि टीम के कीवी बल्लेबाज केन विलियम्सन को मैच के लिए फिट होने में थोड़ा समय लगेगा। विलियम्सन रविवार को आईपीएल 2021 के सीजन में हैदराबाद के पहले मुकाबले के लिए अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे। जॉनी बेयरस्टो इस मुकाबले में खेले थे और नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने आए थे। क्रिकबज के अनुसार, बेलिस ने कहा, हमें लगता है कि विलियम्सन को मैच के लिए फिट होने में थोड़ा समय लगेगा। उनकी जगह बेयरस्टो खेले थे। बेयरस्टो हाल ही में भारत में हुई सीमित ओवरों की सीरीज में फॉर्म में थे। उन्होंने कहा, फिलहाल हम उन खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं जिन्होंने पिछले सीजन में अच्छा किया था। पिछले साल हमने धीमी शुरुआत की थी, लेकिन अंत में प्लेऑफ तक पहुंचे थे। रिद्धिमान साहा ने ओपनिंग की, जो टूर्नामेंट अच्छा करते हैं। बेलिस ने कहा, फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए हमें पता है कि बेयरस्टो ओपनिंग करने भी उतर सकते हैं। हमारे पास विकल्प हैं लेकिन उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए नंबर-4 पर अच्छा प्रदर्शन किया था।

सेरी-ए : इंटर ने कैगलिएरी, जुवेंतस ने जेनोआ को हराया

रोम।

सेरी-ए में रविवार को दो बड़ी टीमों ने जीत हासिल की। इंटर मिलान ने जहां कैगरिएरी को 1-0 से हराकर सेरीए चैम्पियनशिप की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया वहीं आलियांज एरेना में जुवेंतस ने जेनोआ को 3-1 से शिकस्त दी। जुवेंतस के लिए देजान कुलुसेवस्की ने चौथे,अल्वारो मोराता ने 22वें और वेस्टन मैकेंजी ने 70वें मिनट में गोल किया जबकि जेनोआ के लिए एकमात्र गोल गियानलुका स्कामाका ने 49वें मिनट में किया। इंटर मिलान और कैगलिएरी के बीच हुए मुकाबले का एकमात्र गोल मैटियो डारमियान ने 77वें मिनट में किया। इंटर के 30 मैचों से 74 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर अपने चिर प्रतिद्वंदी एसी मिलान से 11 अंकों का फासला बना चुका है। जुवेंतस के 30 मैचों से 62 अंक हैं।

हॉकी प्रो लीग : भारत ने ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को 3-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को 3-0 से हरा दिया। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह, ललित उपाध्याय और मनदीप सिंह ने एक-एक गोल किए और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने इससे पहले रविवार को अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। भारत के लिए अपना 50वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे कृष्ण बहादुर पाठक ने पहले क्वार्टर में अर्जेंटीना को तीन गोले करने से रोका।

मैच के 11वें मिनट में हरमनप्रीत ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हरमनप्रीत को दो दिनों में यह तीसरा गोल था। दूसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने बराबरी की कोशिश की और भारतीय टीम पर दबाव बढ़ाया। लेकिन ललित ने 25वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने एक बार फिर अर्जेंटीना को रोके रखा। चौथा क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले 58वें मिनट में मनदीप ने गोल कर टीम को बढ़त 3-0 कर दी। निर्धारित समय तक अर्जेंटीना की टीम वापसी नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। भारत अब अर्जेंटीना के खिलाफ 13 और 14 अप्रैल को दो दोस्ताना मुकाबले खेलेगा।

इसके बाद भारतीय टीम लंदन में आठ और नौ मई को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ प्रो लीग के मुकाबले खेलेगी।

संक्षिप्त समाचार

ला लीगा : एटलेटिको मेड्रिड और बेटिस के मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

मेड्रिड। एटलेटिको मेड्रिड और बेटिस के बीच ला लीगा का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह मुकाबला ड्रॉ रहने से अंक तालिका पर शीर्ष स्थान पर मौजूद एटलेटिको मेड्रिड और रियल मेड्रिड के बीच अंकों का फासला एक अंक का रह गया है। एटलेटिको मेड्रिड 30 मैचों में 67 अंकों के साथ पहले और रियल मेड्रिड 30 मैचों में 66 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। एटलेटिको की ओर से जाओ फेलिक्स और किएरान त्रिपिएर चोटिल हो गए जबकि थॉमस लेमार भी मैच से पहले चोटिल हुए। इससे पहले, एटलेटिको मेड्रिड की ओर से पांचवें मिनट में ही यानिक कारास्को ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद रियल बेटिस ने भी बिना देरी किए पहले हॉफ में ही वापसी की और क्रिस्टियन टेलो ने 20वें मिनट में गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। पहला हाफ खत्म होने पर मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। दूसरे हॉफ में दोनों टीमों ने बढ़त हासिल करने की पुरजोर कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। निर्धारित समय तक एटलिटो मेड्रिड और रियल बेटिस अन्य गोल नहीं कर सके और दोनों के बीच मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

उम्मीद है एथलीटों को जल्द ही कोरोना टीका लगाया जाएगा : डीओएसबी

बर्लिन। जर्मन ओलंपिक खेल परिसंघ (डीओएसबी) को उम्मीद है कि उसके शीर्ष एथलीट, जिन्होंने इस साल के टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है, को जल्द ही कोरोना टीका लगाया जाएगा। डीओएसबी के अध्यक्ष अल्फोंस होर्मन ने रविवार को कहा, वर्ष की दूसरी तिमाही की शुरूआत के साथ, समय आ गया है जब हम उम्मीद करते हैं, शीर्ष एथलीट, जिन्होंने इस साल के टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है, को जल्द ही कोरोना टीका लगाया जाएगा। वर्तमान में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले एथलीटों की संख्या 245 है और ओलंपिक के करीब आने तक यह संख्या 400 तक पहुंच जाएगी। टोक्यो ओलंपिक 23 जुलाई और पैरालिम्पिक्स 24 अगस्त से शुरू होने वाले हैं। इनका आयोजन बीते साल होना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण इन्हें एक साल के लिए टाल दिया गया था।

WFI ने ISWAI को राष्ट्रीय महासंघ के तौर पर मान्यता दिए जाने को चुनौती दी

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएफएस) के तौर पर 'भारतीय शैली की भारतीय कुश्ती संघ (आईएसडब्ल्यूएआई)'' को मान्यता देने के फैसले को चुनौती देते हुए खेल मंत्रालय को लिखा है कि यह खेल संहिता का उल्लंघन है। खेल मंत्रालय ने पिछले महीने मिट्टी पर आयोजित होने वाले इस खेल की पारंपरिक शैली (दंगल) के मामलों के संचालन के लिए आईएसडब्ल्यूएआई को राष्ट्रीय महासंघ के रूप में मान्यता दी थी। डब्ल्यूएफआई ने तर्क दिया कि आईएसडब्ल्यूएआई खेल संहिता 2011 में निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है और देश में एक खेल के प्रबंधन करने के लिए 2 संघ नहीं हो सकते हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने कहा, 'हम समझ नहीं पा रहे है कि मंत्रालय ने किस आधार पर इस संघ को मान्यता दी है। हमने इस बारे में 23 मार्च को मंत्रालय को लिखा था। खेल संहिता के मुताबिक एक खेल के लिए दो संघ नहीं हो सकते है। अपने पत्र में डब्ल्यूएफआई ने पूछा है कि मूक-बधिर पहलवानों के लिए संघ के मामले की तरह इस बार उसकी राय क्यों नहीं मांगी गई। सूत्र ने सवाल उठाया, 'हाल ही में मूक-बधिर पहलवानों के खेल के प्रबंधन के लिए एक संघ ने मान्यता मांगी तो मंत्रालय ने हमारी राय मांगी थी। हमने इस पर आपत्ति जताई थी कि चूंकि इस खेल के लिए हम एकमात्र निकाय हैं। मंत्रालय ने इस बार हमसे सलाह क्यों नहीं ली? डब्ल्यूएफआई ने अपने पत्र में कहा है कि खेल संहिता में स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख है कि कि एनएसएफ के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाली संस्था को कानूनी विवाद में नहीं फंसा होना चाहिये, लेकिन डब्ल्यूएफआई और आईएसडब्ल्यूएआई से जुड़ा मामला 2018 से चल रहा है।' सूत्र ने कहा, 'इसके अलावा, संहिता के उपबंध 3.8 में कहा गया है कि एनएसएफ के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करना जरूरी है। पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय दंगल का आयोजन हम कर रहे है। उन्होंने बताया, 'उपबंध 3.15 के मुताबिक एनएसएफ को संबंधित खेल के वैश्विक संचालक निकाय से मान्यता प्राप्त होना चाहिये लेकिन इस मामले में यूडब्ल्यूडब्ल्यू (युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) से उसे मान्यता नहीं मिली है।% यह पता चला है कि डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह इस मामले पर चर्चा करने के लिए खेल मंत्री किरेन रीजीजू से पहले ही मिल चुके हैं और उनसे वादा किया गया है कि डब्ल्यूएफआई की चिंताओं पर ध्यान दिया जाएगा।

शॉ को इतनी सहजता से बल्लेबाजी करते देखना सुखद : धवन

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान शिखर धवन का कहना है कि उनके ओपनिंग साझेदार पृथ्वी शॉ को इतनी सहजता से बल्लेबाजी करते देखना उनके लिए सुखद अहसास है। शॉ ने दिल्ली की तरफ से आईपीएल 2021 के पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और धवन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े थे। धवन ने कहा, शॉ को इतनी सहजता के साथ बल्लेबाजी करते देखना काफी सुखद था। वह पहले खराब दौर से गुजरे लेकिन उन्होंने चैंपियन की तरह वापसी की। शॉ ने चेन्नई के खिलाफ 38 गेंदों पर 72 रन बनाए और दिल्ली को सात विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शॉ खराब फॉर्म के कारण भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके थे। उन्होंने इस साल हुई विजय हजारे ट्रॉफी में 827 रन बनाए जिसमें दोहरे शतक भी शामिल हैं। चेन्नई के खिलाफ मैच में 52 गेंदों पर 85 रन बनाने वाले धवन ने कहा, शॉ ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था और शतक तथा दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने इस फॉर्म को आईपीएल में भी बरकरार रखा। उनको इस तरह खेलते देखकर मैं खुश हूं। धवन ने ऋषभ पंत की कप्तानी की भी सराहना की जो श्रेयस अय्यर की जगह इस साल टीम के नए कप्तान नियुक्त किए गए थे। धवन ने कहा, हम लोग अय्यर को मिस कर रहे हैं और इस बात की खुशी है कि उनकी सर्जरी अच्छे से हो गई है। लेकिन मैं पंत के लिए खुश हूं। वह युवा कप्तान हैं और अच्छा बात यह है कि उन्हें कप्तान के तौर पर पहले मैच में ही जीत मिली। उन्होंने टीम में अच्छे परिवर्तन किए और मुझे यकीन है कि इस अनुभव से वह आगे भी बेहतर करेंगे।

जोएल चियानीजी का हैदराबाद एफसी के साथ करार एक साल बढ़ा

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग की टीम हैदराबाद एफसी ने ऑस्ट्रेलिया के जोएल चियानीजी का करार एक साल के लिए बढ़ा दिया है। हैदराबाद और चियानीजी अपने करार को एक साल तक बढ़ाने के लिए राजी हो गए हैं। चियानीजी का करार अब 2021-22 सत्र के अंत तक रहेगा। क्लब ने इसकी पुष्टि की है। इस बीच, 31 वर्षीय चियानीजी ए लीग के मौजूदा सीजन 2020-21 के लिए पर्थ ग्लोरी के साथ सीमित समय के लिए जुड़ेंगे। चियानीजी चोट के कारण शुरूआती मुकाबले नहीं खेल सके थे। उनका करार बढ़ने से हैदराबाद की टीम को मजबूती मिलेगी। हैदराबाद एफसी ने आईएसएल के 2020-21 के सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था।

एएफसी चैम्पियंस लीग से विश्व को भारतीय फुटबॉल शैली दिखाएंगे एफसी गोवा के खिलाड़ी

नई दिल्ली।

एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) चैम्पियंस लीग के ग्रुप चरण में टीम के पदार्पण को बड़ा मौका करार देते हुए कहा कि इससे उन्हेंदुनिया को 'भारतीय फुटबॉल की शैली' को दिखाने का मौका मिलेगा। एफसी गोवा इस 14 अप्रैल को महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता में खेलने वाला देश का पहला क्लब बन जाएगा। एफसी चैम्पियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण में पहले मैच में उनका सामना कतर के अल-रयान से होगा। इससे पहले भारत कोएएफसी चैंपियंस लीग ग्रुप चरण में सीधा प्रवेश दिया गया था और2019-20 सत्र में इंडियन सुपर लीग तालिका में शीर्ष पर रहने वाले एफसी गोवा ने एसीएल के लिए क्वालीफाई किया था।

एफसी गोवा के मिडफील्डर ब्रेंडन फर्नांडिज ने कहा, ''यह राज्य और देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह क्लब या राज्य के बजाय एक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व की तरह है।'' उन्होंने कहा, '' पूरा देश हमें एक के रूप में देख रहा होगा और इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण ग्रुप ई के सभी मैचों को गोवा में खेला जाएगा। गोवा घरेलू टीम एफसी गोवा के अलावा की यहां पर्सेपोलिस (ईरान), अल-रेयान (कतर) और अल-वहद जैसी टीमों की मेजबानी करेगा। हाल ही में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण करने वाले इस फ्रेंचाइजी के खिलाड़ी इशान पंडिता ने कहा कि उनकी टीम के लिए यह देश को गौरवान्वित करने का मौका है। उन्होंने कहा, ''जाहिर है यह एक बहुत ही खास एहसास है। यह शानदार मौका है जहां हमें एशिया और दुनिया को दिखाना होगा कि भारत अच्छा फुटबॉल खेल सकता है। फीफा अंडर-17 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके गोलकीपर धीरज सिंह मोरांगथेम ने कहा , '' हमारे लिये यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि हम सिर्फ गोवा का नहीं कर रहे बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहें होंगे।'' गोवा के स्थानीय खिलाड़ी और भारतीय डिफेंडर आदिल खान ने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में इन प्रतिष्ठित मैचों की मेजबानी करना राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, ''यह बेहद खास है कि पहली बार भारत को एशिया के सबसे बड़े

फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक मेंप्रतिनिधित्व का मौका मिल रहा है। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, और चैम्पियंस लीग में देश का प्रतिनिधित्व करना गोवा के लिए गर्व और सम्मान की बात है।

चोट के कारण सीजन के बाकी बचे मैचों से बाहर हुए रियल के वाजक्वेज

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने एफसी बार्सिलोना पर अपनी 2-1 की जीत की कीमत इस खबर के साथ अदा की कि उसके विंगर लुकास वाजक्वेज शायद बाकी सत्र में घुटने की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। वाजक्वेज, जिन्होंने राइट-बैक के रूप में खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, ने ही बार्सिलोना के खिलाफ गोल करने के लिए करीम बेंजेमा के लिए मूव बनाया था। ब्रेक से पहले हालांकि सर्जियो बसक्वाइट्स के साथ टक्कर होने के बाद उन्हें अल्वारो ऑर्डियोजोला से रिप्लेस कर दिया गया था।। रविवार को किए गए परीक्षणों ने उनके दाहिने घुटने में गम्भीर चोट का पता चला है, जिसे ठीक होने में आमतौर पर छह सप्ताह लगते हैं। ऐसे में उनका बाकी बचे सीजन में खेलना सम्भव नहीं है। यह चोट व्यक्तिगत स्तर पर भीवाजक्वेज के लिए भी बुरी खबर है, क्योंकि यह सब इस गर्मी की यूरोपीय चैंपियनशिप में स्पेन के लिए खेलने की उनकी उम्मीदों को समाप्त करता है, और इसका मतलब यह भी हो सकता है कि उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए अपना आखिरी मैच खेल लिया है क्योंकि उनका मौजूदा करार जून के अंत में समाप्त हो रहा है और रियल के साथ उनके करार का नवीकरण अब तक नहीं हुआ है।

सोनम कपूर ने तस्वीरों के जरिए किया 'Lockdown Life' का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी रूटीन लाइफ की तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. इन दिनों वह पति आनंद आहुजा के साथ लंदन में हैं. भारत की तरह वहां भी कोरोना वायरस महामारी दोबारा से फैल रही है. कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए लंदन में लॉकडाउन लगा हुआ है.

सोनम कपूर पति आनंद के साथ लॉकडाउन को एन्जॉय कर रही हैं. उन्होंने इसकी झलक अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिखाया है. सोनम ने कई तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया है. इनमें से एक तस्वीर में सोनम कपूर एमओटीआर पर ऑनलाइन ट्रेनिंग ले रही हैं. इस तस्वीर में ट्रेनिंग देने वाली उनकी कोच वर्कआउट करते हुए नजर आ रही हैं.

योग करते आनंद

वहीं, दूसरी तस्वीर में उनके पति आनंद आहुजा हैं. वह एक खुले मैदान में योग कर रहे हैं. मैदान में काफी अच्छी हरी घासें हैं और लाइन से पेड़ लगे हैं. आनंद इस मैदान में हाथ जोड़कर कर रहे हैं. उन्होंने जोगिंग आउटफिट पहना हुआ है. सोनम ने इसके अलावा एक वीडियो भी शेयर किया था.

आनंद का वर्कआउट वीडियो

इस वीडियो में सोनम अपने बेड पर चिल कर रही हैं जबकि आनंद आहुजा उनके बगल में फर्श पर मैट बिछाकर वर्कआउट कर रहे हैं. इस दौरान आनंद अपने टैब में कुछ देख रहे हैं. इस वीडियो के ऊपर उन्होंने लिखा है,आनंद आहुजा के साथ लॉकडाउन लाइफ.

सोनम ने किया आनंद का हेयर-कट

बता दें कि सोनम कपूर ने 28 फरवरी को कई तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की थी. इन तस्वीरों में सोनम कपूर को आनंद का हेयर कट करते हुए देखा जा सकता है. आनंद अपना न्यू शेव्ड लुक भी फ्लॉन्ट करते हुए नजर आए थे.

शहनाज गिल का ट्रांसफॉर्मेशन कर देगा हैरान, अब एक्ट्रेस बन गई हैं 'सरदार जी'

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) की फैन फॉलोइंग हर दिन बढ़ रही है. लोग उनकी तस्वीरों को खूब पसंद करते हैं. लोग शहनाज गिल के वेट लॉस ट्रांसफॉरमेशन की भी काफी तारीफ कर रहे हैं. वे भी अपनी ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को आए दिन चौंका रही हैं. अब उन्होंने जो ट्रांसफॉर्मेशन किया है वो उनके फैंस को हैरान कर रहा है. शहनाज लड़का बन गयी हैं, वो भी पंजाबी मुंडा.

शहनाज की फोटो हो रही वायरल

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) की एक तस्वीर खूब वायरल हो रही है. इस तस्वीर में वे टरबन बांधे नजर आ रही हैं. शहनाज का ये लुक कोस्टार दिलजीत दोसांझ से इंस्पायर्ड बताया जा रहा है. इस तस्वीर में शहनाज सिर पर लाल रंग का टरबन बांधे नजर आ रही हैं. शहनाज की इस तस्वीर पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं और उन्हें क्यूट सरदार जी कह रहे हैं.

शहनाज बन गई हैं क्यूट सरदार जी

शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) टरबन लुक में क्यूट लग रही हैं. शहनाज ने टरबन पहने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं. उनकी इंस्टा स्टोरी में आप देख सकते हैं कि शहनाज किसी में मुछो को ताव दे रही हैं. किसी टरबन सिर बंधवा रही हैं.

इस फिल्म आने वाली हैं नजर

बता दें, शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) इन दिनों काफी व्यस्त चल रही हैं. शहनाज गिल जल्द ही दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म हौंसला रख(Honsla Rakh) में नजर आने वाली हैं. फिल्म में सोनम बाजवा भी मुख्य किरदार में हैं. हौंसला रख (Honsla Rakh) फिल्म को खुद दिलजीत दोसांझ (Diljit Dosanjh) ही प्रोड्यूस कर रहे हैं. ये फिल्म उनकी नई प्रोडक्शन कंपनी प्रोड्यूज करने जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में गप्पी ग्रेवाल (Gippy Grewal) के बेटे शंदा ग्रेवाल (Shinda Grewal) भी नजर आने वाले हैं. फिल्म रोमांटिक कॉमेडी होने वाली है. यह फिल्म 15 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है.

बिग बॉस 13 के बाद चर्चा में आई

बात करें, शहनाज गिल (Shehnaaz Gill) कि तो वे बिग बॉस 13 के बाद चर्चा में आई. सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अपनी दोस्ती को लेकर वे अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं. शहनाज गिल ने सिद्धार्थ के साथ में दो म्यूजिक वीडियोज भी किए हैं. शहनाज सिद्धार्थ के साथ काफी वक्त भी बिताती हैं. शहनाज (Shehnaaz Gill News Song) का गाना 'FLY' कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ है, जिसमें वो बादशाह के साथ नजर आ रही हैं. उनके इस म्यूजिक वीडियो को फैंस का खूब प्यार मिला है.

विद्या बालन ने दी ऐसी नसीहत कि हो जाएगी सबकी बोलती बंद! गांधी के तीन बंदर के अंदाज में दी ये सीख

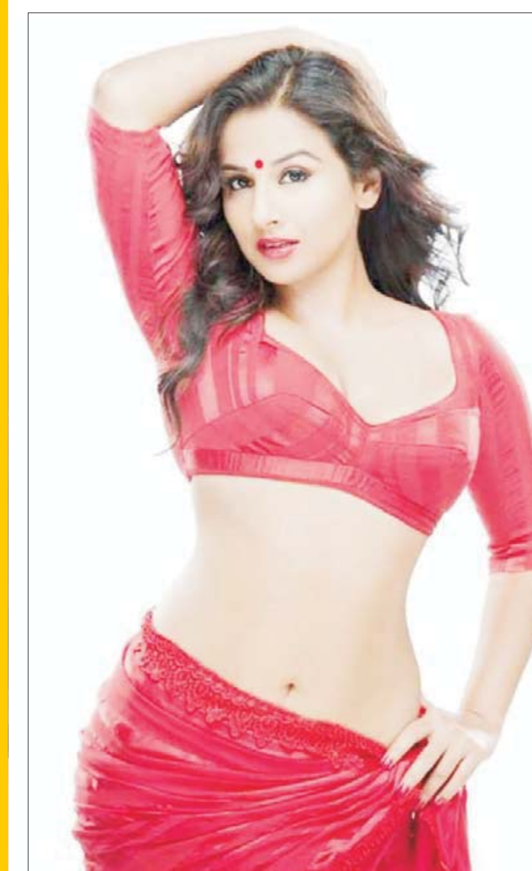

चाहे अदाकारी को लेकर आलोचना हो या या फिर किसी मुद्दे पर चर्चा हो बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन खुलकर अपने विचार रखती हैं. अपने वजन को लेकर अक्सर ट्रोल होती हुई विद्या ने हमेशा इस आलोचना को सकरात्मकता से लिया और अदाकारी के जरिये हमेशा अपने आप को सबसे बेहतर साबित करती गयी और यही वजह हैं कि विद्या का वजन कभी भी उनके अभिनय के आड़े नही आया .

कल वर्ल्ड हेल्थ डे के दिन सोशल मीडिया पर विद्या ने बड़े ही प्यार से अपने चाहनेवालो को नसीहत दी. यहां गाँधी जी के तीन बंदर के सीख, वो अपने तस्वीरों के जरिये बयां कर रही हैं और कह रही हैं लोग मेरे अगल बगल देखते हैं और मुझे कहते हैं कि आपका वजन आपके स्वास्थ्य के बराबर होना चाहिए. लेकिन आपका वजन आपके स्वास्थ्य का एक हिस्सा होना चाहिए न कि आपकी पहचान

ये कह कर विद्या ने बड़े ही प्यार से उनलोगों की बोलती बंद कर दी हैं जिनके लिए विद्या की अभिनय से ज्यादा ,विद्या के वजन का मुद्दा जरूरी रहता हैं. लोगों की कहा सुनी से बेफिक्र बॉलीवुड की बिग बालन, की ये अदा वाकई काबिले तारीफ हैं.

फिल्म शकुंतला में विद्या के एक्टिंग की काफी सराहना हुई और बहुत ही जल्द विद्या दिखेंगी फिल्म शेरनी में दिखेंगी जहां वो वन-विभाग की अधिकारी बन कर मानव और जानवर के मुठभेड़ को बड़ी ही चतुराई और स्थिरता से हल करती हुई नजर आएंगी..

मीरा कपूर का खुलासा इस चीज के लिए पति शाहिद कपूर को भूल सकती हैं, बोलीं- वो जानते हैं...

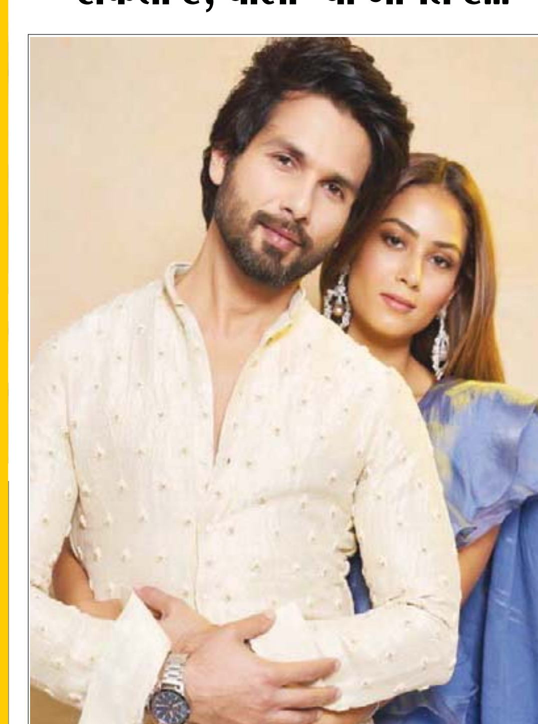

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत फैन्स की फेवरेट बॉलीवुड जोड़ी है. दोनों के बीच बेशुमार प्यार है.जो कई बार सोशल मीडिया पर भी देखने को मिला है. दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ फोटो शेयर करते रहते हैं. हाल ही में मीरा ने अपने इंस्टाग्राम पर दिस या दैट सेशन रखा था. जहां फैन्स ने उनसे खई तरह के सावल पूछे जिनके जवाब मीरा ने बड़े ही खूबसूरत अंदाज में दिए है.

इंस्टाग्राम पर मीरा ने रखा दिस या दैट सेशन

इसी सेशन में एक फैन ने पूछा कि,शाहिद बीएफएफ या शाहिद हब्बी. इस पर, मीरा ने जवाब दिया, "There was a two for one offer when we got married #Luckedout". मीरा का ये जवाब फैन्स को काफी पसंद आ रहा है.

शाहिद के लिए मीरा ने दिया फनी जवाब

इसके अलावा इसी सेशन में एक यूजर ने पूछा कि, शाहिद और भोजन ?, इस पर मीरा ने लिखा कि, खाना,और वो ये जानते हैं.

मीरा ने शेयर की थी शाहिद के साथ रोमेंटिक फोटो

वहीं इससे पहले 25 फरवरी को मीरा ने शाहिद के बर्थडे पर उनके लिए एक पोस्ट शेयर की थी.जिसमें उन्होंने शाहिद के लिए खूबसूरत मैसेज लिखा था, मीरा ने दोनों की एक रोमेंटिक फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि, जब मैं आपके साथ होती हूं तो मुझे बेहतर लगता है. मेरे जिंदगी के प्यार को 40 वीं बर्थडे की शुभकामनाएं. इसके अलावा एक और फोटो शेयर करते हुए मीरा ने लिखा था कि, शाइन ऑन,बी वन विथ द लाइट.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है।

टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है। इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

हेलो दोस्तो! हर किसी को मुकम्मल जहाँ नहीं मिलता.. क्या यह सोचकर हमेशा उदास रहना चाहिए? नहीं। अगर हमने अधूरेपन को ही अपनी सोच का आधार बना लिया तो खुशी हमें दूर-दूर तक नजर नहीं आएगी। हम अवसाद में डूबते जाएँगे। हमारे जीने का उत्साह ही खत्म हो जाएगा। जीवन में खुशियाँ भरने के लिए प्यार से भरे हुए जो भी पल आपके हाथ लगते हैं उसका शुक्रिया अदा करना चाहिए। अपने साथी के हर सहयोग, आपको खुश करने की हर कोशिश, अपनी व्यस्तता और मजबूरियों के बीच साथ देने और समय निकालने के हर प्रयास का तहे दिल से धन्यवाद करना चाहिए।

जरूरी है एक छोटा-सा थैंक्स

शुक्रिया अदा करना बहुत ही प्यारा लव मंत्र है। इससे मिलने वाली खुशी हजार गुना बढ़ जाती है और प्यार पर भरोसा बढ़ता जाता है। प्यार का एक ही धर्म है खुशी देना। इस मजहब में केवल अच्छे गुणों की ही गुंजाइश है। आप ही बताएँ यदि प्यार करने वाले आपस में ईर्ष्या करने लगें, प्रतिस्पर्धा करने लगें, एक दूसरे को नीचा दिखाने लगें, वर्ग भेद और ऊँच-नीच का अहसास कराने लगें, अहम दिखाने लगें, उम्र एवं पद का धौंस महसूस कराने लगें तो वह प्यार टिक सकता है? प्यार तो दूर की चीज है, ऐसी नकारात्मक भावना से साधारण पसंद भी समाप्त हो जाएगी। नकारात्मक गुणों को आपस में पालते हुए भी यदि कोई प्रेमी युगल बने हुए हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें बस जीवन साथ बिताने की कोई मजबूरी है। न सखा भाव है, न ही एक-दूसरे के लिए कोई हमदर्दी। क्या बिना त्याग, करूणा और हमदर्दी के कोई प्रेम मुमकिन है। इसलिए अपने साथी से प्रदर्शित किया गया मामूली सा त्याग, हल्की सी करुणा और थोड़ी सी हमदर्दी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करें। यकीन मानिए आपको लगेगा कि आपको दोनों जहाँ मिल गया है।

अपने साथी की हर अच्छी अदाओं और गुणों पर वारा जाऊँ या वारी जाऊँ वाली भावना से प्यार के रिश्ते में चार चाँद लग जाते हैं। प्यार कोई करता ही इसलिए है कि वह जीवन में जीने का अहसास लाए। जीने की भावना जगाने के लिए अच्छी सोच की जरूरत होती है। उम्मीद की जरूरत है। अपने प्यार पर भरोसे की जरूरत है। यह तभी संभव है जब हम अपने साथी की हर छोटी-बड़ी कोशिश को सराहें। उसे उसके प्रयास को इंगित करके दिखाएँ।

अपने प्यार के साथ शुरू की गई यह आदत और व्यवहार धीरे-धीरे तमाम परिस्थितियों से निपटने का हौसला देगा। एक बार हालात को, व्यक्तियों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने और तोलने की आदत जीवन में कामयाबी की ओर ले जाएगा।

आप ही बताएँ अपने बॉस, शिक्षक, माँ-बाप, भाई-बहन, अन्य रिश्तेदार या दोस्त-अहबाब को आप उनके किसी सहयोग पर धन्यवाद व्यक्त करते हैं, उनका चेहरा कितना खिल उठता है। सख्त से सख्त व्यक्ति भी कोमलता से भर उठता है। इतना ही नहीं इसका असर और भी गहरा होता है। वह असर आगे फिर आपके लिए उससे भी बेहतर कुछ करने का मौका देगा।

शुक्रिया, केवल औपचारिकता के लिए नहीं करना चाहिए। उसे दिल से महसूस करके करें तो उसकी ताकत आपको भी महसूस होगी। आपको शारीरिक तौर पर भी इसका लाभ मिलेगा। सकारात्मक सोच आते ही हमारे सारे ग्लैंड सही काम करने लगते हैं। यह आपके अंदर आत्मविश्वास भी जगाता है। यदि एक मरीज को अपने डॉक्टर पर ही भरोसा न हो तो उस डॉक्टर का काम ज्यादा मुश्किल हो जाता है। पर अगर डॉक्टर के प्रयास से आपको थोड़ी भी राहत मिली हो और आप उसको, उस प्रयास का धन्यवाद करते हैं तो डॉक्टर भी अपनी पूरी विधा और तजुर्बे को अपने दिमाग में समेटकर आपका इलाज करने की कोशिश करेगा। यदि आपने यह भावना दिखाई कि बस दस प्रतिशत तो ठीक हुआ है...आप क्या इलाज कर रहे हैं... तो वह आपका इलाज तो करेगा पर उसका व्यक्तिगत प्रयास लुप्त हो जाएगा।

उसी प्रकार प्यार करने वाले को भी उसके प्रयास की विशेष पहचान की जरूरत पड़ती है। जिसने आपके लिए कुछ भी किया है उसका एक ही तरीका है बताने का और वह है, शुक्रिया अदा करना।

जब रूठा हो आपका हमदम...!

अक्सर प्रेमी जोड़ों को एक-दूसरे से यही शिकायत रहती है। तो जनाब अगर आपका साथी आपसे रूठ गया है तो यह कतई जरूरी नहीं है कि आपको उसे मनाने में कड़ी मशक्कत ही करनी पड़े। यह काम एकदम आसानी से भी हो सकता है, बस जरूरत होती है थोड़ी समझदारी की।

यह ऐसा नाजुक वक्त होता है, जब कोई संबंध टूट भी सकता है या उस रिश्ते में और मजबूती भी आ सकती है। इसलिए जल्?दबाजी में कोई कदम न उठाएँ। कोई निर्णय लेने से पूर्व काफी सोचविचार लें। अगर संभव हो तो नजदीकी मित्रों से सलाह भी ले सकते हैं। जिस तरह हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, उसी तरह से रूठे हुए को मनाने का अंदाज भी भिन्न-भिन्न होता है। अगर ये अंदाज पुराने प्रचलित तरीकों से अलग होगा तो आपके साथी के मान जाने की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी और यकीन मानिए रिश्ते की खूबसूरती और मजबूती, दोनों बढ़ेगी। मान लीजिए अगर आपका साथी रूठा है, उसे मनाने के लिए उसके पसंदीदा रंग के कपड़े पहनकर उसके सामने जाएँ और आँखों में आँखें डालकर सॉरी कह दें, उसे अच्छा लगेगा। हो सकता है उसका गुस्सा काफूर हो जाए। अगर वो इस तरह भी न माना तो उसके पास हर घंटे फूलों का बुके भेजकर उसे चकित कर दें और झट से भविष्य में दुबारा गलती न करने का वायदा भी करें। इसके अलावा भी अनेक तरीके हैं, जिनसे अपनों को मनाया जा सकता है,-क्यूँ न एक खूबसूरत-सा कार्ड खरीद कर अपने मन की गहराइयों से एक प्यारी-सी कविता उस पर लिखें और बची हुई जगह पर लम्बा-सा सॉरी लिखें। यकीन कीजिए, न मानने का सवाल ही नहीं उठता। आप चाहें तो अपने प्रेमी या प्रेमिका को प्रेम पर कोई अच्छी-सी किताब भी भेंट कर सकते हैं। किसी गॉर्डन या मंदिर में अपनी गलती स्वीकार कर सकते हैं। अगर थोड़ा फिल्मी स्टाइल में सॉरी बोलना है तो मुन्नाभाई की तरह एफ.एम. के जरिए माफी माँग लें। अगर ऐसे भी आपका काम न बने तो सबसे आसान तरीका ये है कि आप उसके सामने जाइए, साधारण शब्दों में दिल से माफी माँग लीजिए। विश्वास रखें, यदि वह वाकई में आपका सच्चा साथी है तो आपकी गलतियों को नजरअंदाज कर आपको स्वीकार करेगा।

ताइवान को लेकर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका-चीन के बीच बढ़ा टकराव

इंटरनेशनल डेस्कः

ताइवान को लेकरदक्षिण चीन सागर में अमेरिका और चीन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। चीन की ताइवान को युद्ध की धमकी के बाद अमेरिकी एयरक्राफ्ट दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास कर रहे हैं जिसके बाद चीन ने भी अपना एयरक्राफ्ट कैरियर दक्षिण चीन सागर में भेज दिया है। जानकारों के अनुसार चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी द्वारा ताइवान के अधिकार क्षेत्र वाली पूर्वी आइलैंड समंदर में लियोनिंग एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ पूरे एक हफ्ते तक युद्धाभ्यास के बाद टकराव बढ़ा और अमेरिका ने अपना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप दक्षिण चीन सागर में भेज दिया। इसके जवाब में फिर चीन ने भी अपना एयरक्राफ्ट भेज दिया है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक लियोनिंग एयरक्राफ्ट कैरियर को चीन की सेना ने दक्षिण चीन सागर में उस जगह पर भेज दिया है, जहां एक दिन पहले अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर ने युद्धाभ्यास किया था। ग्लोबल टाइम्स ने इसे अमेरिका की चीन को उकसाने वाली कार्रवाई बताया है। ग्लोबल टाइम्स ने चीन में निर्मित शेडोंग बर्थ एयरक्राफ्ट कैरियर की तस्वीर जारी करते हुए लिखा है कि सान्या मिलिट्री एयरपोर्ट की तरफ साउथ चायना सी में यह एयरक्राफ्ट जा रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है चीन दुनिया के कुछ उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसके पास कई एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 3 अप्रैल को चीनी एयरक्राफ्ट ने जापान के ओखिनावा आइलैंड में घुसने की हिमाकत की थी और फिर चीनी एयरक्राफ्ट वहां से 4 अप्रैल को ताइवान चला गया। इतना ही नहीं, चीनी नेवी के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए यहां तक कहा कि चीन अपनी वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत ये कर रहा है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका लगातार डटा हुआ है जिसको लेकर चीन बौखला रहा है और उसी वजह से कभी अपना एयरक्राफ्ट कैरियर जापान के क्षेत्र में भेज रहा है तो कभी ताइवान के इलाके में घुसपैठ कर रहा है। वहीं, यूएस एयरक्राफ्ट रूजवेल्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और माकिन आइलैंड एम्फीबियस के संयुक्त इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में युद्धाभ्यास को लेकर चीन भी बौखलाया हुआ है और लगातार इसकी जांच करने में जुटा है। पिछले 15 दिनों में दक्षिण चीन सागर में चीन और अमेरिकन एयरक्राफ्ट लगातार युद्धाभ्यास कर रही है। 4 अप्रैल को भी यूएस एयरक्राफ्ट ने दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास कर चीन को ललकारा था। दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी और चीनी एयरक्राफ्ट आमने-सामने हैं लेकिन चीन लगातार बहाने बना रहा है। चीन ने अब नया राग अलापते हुए कहा है कि चीन अपने तय सालाना कार्यक्रम के तहत ही दक्षिण चीन सागर में अपने एयरक्राफ्ट युद्धाभ्यास और निकरानी के लिए भेज रहा है और अमेरिका के सामने आना महज एक संयोग है। वहीं, दक्षिण चीन सागर में अमेरिकन एयरक्राफ्ट के आने के बाद अब चीन इसे अमेरिका की उकसाने वाली कार्रवाई करार दे रहा है। चीनी एक्सपर्ट्स ने कहा है कि अमेरिका लगातार चीन के समुन्द्री स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहा है, लिहाजा अब चीन को मिलिट्री एक्सरसाइज बढ़ा देनी चाहिए। वहीं, अब चीन ने कहा है कि बाइडेन प्रशासन लगातार ताइवान कार्ड खेलकर चीन के ऊपर प्रेशर बनाने की कोशिश कर रहा है और अब वाशिंगटन देखना चाहता है कि आखिर चीन का रिएक्शन कैसा होने वाला है, लेकिन अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि ताइवान को लेकर चीन का रवैया नहीं बद

दादा फिलिप के अंतिम संस्कार में जाएंगे प्रिंस हैरी, मेगन मार्केल नहीं होंगी शामिल

लंदन। ब्रिटिश क्वीन के एलिजाबेश के पति ड्यूक ऑफ एडिनबरा प्रिंस फिलिप जिनका निधन 9 अप्रैल को हो गया था, का अंतिम संस्कार 17 अप्रैल को होगा। इस बीच दावा किया जा रहा है कि प्रिंस हैरी दादा प्रिंस फिलिप के अंतिम संस्कार में जाएंगे जबकि मेगन मार्केल नहीं जाएंगी। हालांकि मेगन मार्केल द्वारा पिछले दिनों ब्रिटेन के शाही परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाना इसके पीछे की वजह नहीं है। मेगन दूसरी बार मां बनने जा रही हैं ऐसे में डॉक्टर्स ने उन्हें सलाह दी है कि वह किसी भी तरह की यात्रा न करें।पीपल मैगजीन और द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार बकिंघम पैलेस के प्रवक्ता ने न्यूज ब्रिफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया कि मेगन के फिजिशियंस ने उन्हें यात्रा न करने की सलाह दी है। मेगन एक बेटी को जन्म देने वाली हैं जिसका खुलासा उन्होंने ओपरा विनफ्रे को दिए एक इंटरव्यू में किया था। हार्पर्स बाजार ने सूत्रों के हवाले से यह कहा है कि मेगन ने प्रिंस फिलिप के अंतिम संस्कार में प्रिंस हैरी के साथ जाने के लिए हर मुमकिन कोशिशें की हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें अपने फिजिशियन से मेडिकल क्लीयरेंस नहीं मिला है। बता दें कि प्रिंस फिलिप के निधन के बाद शुक्रवार को प्रिंस हैरी और मेगन मार्केल ने एक संयुक्त बयान जारी किया था जिसमें उन्होंने लिखा था- रॉयल हाइनेस ड्यूक ऑफ एडिनबरा 1921-2021 की प्यार भरी याद में, आपकी सेवा के लिए धन्यवाद, आपको बहुत याद किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जब ओपरा को मेगन और प्रिंस हैरी ने इंटरव्यू दिया था तो उसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी। मेगन ने इस इंटरव्यू में उन दिनों को याद किया था जब वह पैलेस में रहा करती थीं। इस इंटरव्यू में मेगन ने कई आरोप शाही परिवार पर लगाए थे व बताया था कि शाही घराने में उनके बेटे आर्ची के रंग को लेकर काफी बातें हुआ करती थीं।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के लिए सतत संवाद कर रहा है भारतः राजदूत संधू

लॉस एंजलिसः

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित (एसटीईएम) पढ़ने के लिए अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र आते हैं और भारत ज्ञान साझेदारी बनाने के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ सतत संवाद कर रहा है। संधू ने चैपल हिल में उत्तर कैरोलाइना विश्वविद्यालय (UNC) में अपने संबोधन दौरान कहा कि अमेरिका में भारत के दो लाख से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं और ज्यादातर विद्यार्थी एसटीईएम क्षेत्र के हैं, इसलिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की उत्साहजनक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के आदान-प्रदान, ऑनलाइन शिक्षा तथा दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग की संभावनाएं हैं। भारतीय राजदूत ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि भारत पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करेगा, हृष्ट इस क्षेत्र में नेतृत्व करेगा। वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने पिछले कुछ महीनों के दौरान एरिजोना राज्य विश्वविद्यालय, हॉवर्ड विश्वविद्यालय, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, उत्तर कैरोलाइना विश्वविद्यालय में भारत-अमेरिका साझेदारी संबंधी संवाद सत्रों में हिस्सा लिया है। पिछले हफ्ते राजदूत ने एरिजोना विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. माइकल क्रो से बात की थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संयुक्त डिग्री एवं दोहरी डिग्री आदि की पेशकश करने के लिए संधू ने भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग पर अपने विचार साझा किए।

बलूचिस्तान में प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने मांगों को लेकर मैट्रिक परीक्षा का किया बहिष्कार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर मैट्रिक परीक्षा का बहिष्कार किया। प्रांतीय शिक्षा विभाग के ऑब्जर्वर ने बताया कि बलूचिस्तान के कर्मचारी और वर्कर्स ग्रैंड अलायंस के बैनर तले शिक्षक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं।परीक्षा बहिष्कार के चलते चमन में विभिन्न स्कूलों के बाहर बड़ी संख्या में छात्रों को देखा गया। शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि छात्र अपने पेपर का इंतजार करते रहे लेकिन शिक्षक अपनी मांगों पर अड़े रहे। इस बीच पाकिस्तान के प्रेक्षक ने रिपोर्ट किया कि प्रांत के विभिन्न हिस्सों में मैट्रिक परीक्षा का आंशिक बहिष्कार किया गया। शिक्षकों ने अपनी मांगें पूरी होने तक धरने जारी रखने की कसम खाई है। बलूचिस्तान कर्मचारी और कार्यकर्ता ग्रैंड अलायंस के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी मांग को स्वीकार करने तक धरने जारी रहेंगे। इस बीच अप्रैल की शुरुआत में पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान को वेतन वृद्धि की मांग करने वाले सरकारी कर्मचारियों द्वारा जारी प्रदर्शनों के कारण देश के अन्य हिस्सों से काट दिया गया था। पिछले हफ्ते, बलूचिस्तान में प्रांतीय सरकार ने टीचर्स एसोसिएशन द्वारा दिए गए विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद सभी सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगाने के लिए क्वेटा जिले में धारा 144 लागू की गई थी। बता दें कि पिछले महीने भी सैकड़ों शिक्षकों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुजफ्फराबाद शहर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। चुनाव कार्य सहित सभी सरकारी कर्तव्यों का बहिष्कार करने की धमकी देते हुए शिक्षकों ने सरकार से उनकी मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है।

श्रीलंका के साथ भारत का 'एयर बबल्स' करार, 28 देशों के साथ पहले ही हो चुका है समझौता

नेशनल डेस्क। भारत ने विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों के संचालन के लिए श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय एयर बबल समझौता किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने इस आशय की जानकारी दी। इसके साथ ही भारत अफगानिस्तान, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, मालदीव, नाइजीरिया, कतर, यूएई, ब्रिटेन और अमेरिका सहित 28 देशों के साथ एयर बबल समझौता कर चुका है। दो देशों के बीच एयर बबल समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे की सीमा में कुछ पाबंदियों/शर्तों के साथ विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों का संचालन कर सकते हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने ट्वीट किया कि भारत ने श्रीलंका के साथ एयर बबल समझौता कर लिया है। दक्षेस देशों के साथ यह छठवां और कुल 28वां समझौता है। मंत्रालय ने कहा कि निकट भविष्य में अभी पात्र यात्री दोनों देशों के बीच यात्रा कर सकेंगे। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण भारत में 23 मार्च, 2020 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लुकिन जुलाई से चुनिंदा देशों के साथ एयर बबल समझौते के तहत उड़ानों को ऑपरेट किया जा रहा है।

नेपाल में धार्मिक कार्यक्रम दौरान गिरा रथ, झड़प के बाद 20 लोग घायल

काठमांडू। नेपाल के भक्तपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान एक रथ गिरने और झड़प के बाद बीस लोगों को चोटें आईं। काठमांडू से 16 किलोमीटर पूर्व स्थित भक्तपुर नगरपालिका में रथ-खींचने का महोत्सव 'बिस्का जात्रा' शनिवार सुबह शुरू हुई। उत्सव शुरू होने की घोषणा के तुरंत बाद एक रथ गिर गया और झड़प हो गई। पुलिस ने कहा कि रथ के पहिए के नीचे आने से दो व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि कुछ लोग रथ को खींचते समय घायल हो गए। घायलों को भक्तपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाद में शनिवार रात में रथ खींचने में शामिल समूहों के बीच रथ के पारंपरिक मार्ग को लेकर झड़प हुई। 'बिस्का जात्रा', एक वार्षिक हिंदू त्योहार है। यह महोत्सव 18 अप्रैल तक चलेगा।

पाकिस्तान में कोरोना से 24 घंटे में सबसे अधिक मौतें, टीकाकरण के लिए जूझ रही इमरान सरकार

इस्लामाबादः

पाकिस्तान में कोरोना का कहर लगातार बड़ता जा रहा है। रविवार को चालू वर्ष में यहां 24 घंटे में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं। पाकिस्तान के नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (NCOC) के अनुसार शनिवार को कोरोना से कुल 114 लोगों की मौत हुई। जियो न्यूज ने बताया कि यह लगातार छठी बार है कि कोरोनोवायरस से एक ही दिन में मौतों का आंकड़ा 100 से पार कर गया। रविवार को कोरोना वायरस के 5,050 नए मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 7,21,018 पहुंच गए हैं।

वहीं मृतक संख्या बढ़कर 15,443 हो गई। उधर, कोरोना से लगातार बिगड़ रहे हालात से निपटने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी कोविड रोधी टीकाकरण को तेज करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर काबू करने के लिए प्रतिबंधों को बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान में 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, कोविड-19 से निपटने वाली देश की शीर्ष संस्था राष्ट्रीय कमान एवं संचालन केंद्र (एनसीओसी) ने शनिवार को एक बैठक में संक्रमण के प्रसार को धीमा करने के लिए सोमवार तक बाजारों को बंद करने और परिवहन पर पाबंदी बढ़ाने का फैसला किया है।

एनसीओसी में रमज़ान के आगामी महीने के दौरान टीकाकरण अभियान को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में शिरकत करने वालों को बताया गया कि अप्रैल के दूसरे सप्ताह के बाद देश में पर्याप्त मात्रा में टीके पहुंच सकते है। एनसीओसी ने फैसला किया कि रमज़ान के दौरान भी टीकाकरण केंद्र खुले रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने के आग्रह पर 'डॉन' को बताया कि पाकिस्तान को अप्रैल के एक पखवाड़े के बाद चीन के कैनसाइनो बायो टीके की 30 लाख खुराकें मिलेंगी।

उन्होंने बताया, ' रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की यात्रा के दौरान इस हफ्ते रूस के टीके की (खरीद को लेकर) भी चर्चा की गई।'

50 से अधिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट में दावा-शजियांग में उइगरों के नरसंहार के लिए चीन जिम्मेदार

वाशिंगटन। विश्व के 50 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि चीन ने शिनजियांग में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान नरसंहार पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते के सभी प्रविधानों का उल्लंघन किया है। न्यूलाइंस इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटजी एंड पॉलिसी थिंक टैंक द्वारा गत सप्ताह की शुरुआत में जारी इस रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि उइगरों के नरसंहार के लिए चीन जिम्मेदार है। यह पहली बार है जब किसी गैर सरकारी संगठन ने शिनजियांग में हो रहे नरसंहार के आरोपों का स्वतंत्र विश्लेषण किया पता लगाने की कोशिश की है कि क्या बीजिंग को इन अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में कनवेंशन ऑन द प्रिवेंशन एंड पनिशमेंट ऑफ द क्राइम ऑफ जेनोसाइड का मसौदा नौ दिसंबर, 1948 को प्रस्तुत किया गया था। रिपोर्ट में उइगर मुस्लिमों को बड़े पैमाने पर हिरासत शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में दखल देने और समुदाय के सदस्यों को सत्तारूढ़ दल के अनुसार ढालने की कड़ी आलोचना की गई है। पिछले महीने बाइडेन प्रशासन ने शिनजियांग में उइगर मुस्लिमों और दूसरे अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ चीन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई को नरसंहार बताय था। फरवरी में कनाडा के हाउस ऑफ कामंस ने उइगर अल्पसंख्यकों के खिलाफ चीन की कार्रवाई को नरसंहार बताने वाला एक प्रस्ताव पारित किया था। नीदरलैंड की संसद ने भी एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि उइगर अल्पसंख्यकों के खिलाफ चीन की कार्रवाई एक नरसंहार है। नीदरलैंड ऐसा कदम उठाने वाला पहला यूरोपीय देश है। हालांकि बीजिंग की बात करें वह उइगर मुस्लिमों के खिलाफ किसी भी प्रकार के मानवाधिकार हनन की बात से इन्कार करता है।

संयुक्त राष्ट्र का आरोप- UAE ने नहीं दिए राजकुमारी लतीफा के जीवित होने के सबूत

दुबईः

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की राजकुमारी लतीफा बिंत मोहम्मद अल मखतूम को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ का आरोप है कि UAE ने उनके जीवित होने का कोई सबूत नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र संघ का कहना है कि UAE ने अब तक उसे ऐसा कोई सबूत नहीं दिया है जो साबित करे कि राजकुमारी लतीफा बिंत मोहम्मद अल मखतूम जीवित हैं। लतीफा दुबई के शाही शासक प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन राशिद यूएई की बेटी हैं। UN की मानवाधिकार आयुक्त मार्टा हर्टाडो ने शुक्रवार को UAE को लतीफा के जीवित होने का साक्ष्य देने को कहा था।2018 में दुबई से भागने के प्रयास में पकड़े जाने के बाद से लतीफा लापता मानी जाती हैं। मार्टा ने कहा कि सबसे बड़ी चिंता उनके जीवन को लेकर है। वरिष्ठ अधिकारियों की UAE के राजदूत के साथ बैठक रखने का प्रयास किया लेकिन संयुक्त अरब अमीरात इसकी कोई तारीख नहीं दी है। उन्होंने कहा कि वे लतीफा से मिलकर बातचीत करना चाहती हैं ताकि उनकी परिस्थिति समझ सकें। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात का नाम लिए बगैर आशंका जताई कि इसी प्रकार से पूरी दुनिया से लोगों को गायब किया जा सकता है। इन मामलों की जानकारी सामने आनी चाहिए। लतीफा ने फरवरी में ही लंदन पुलिस को पत्र लिखा था कि साल 2000 में उनकी बहन शम्सा का ब्रिटेन से अपहरण कर लिया गया था। उसका भी अब कोई पता नहीं

चला है। मार्टा ने कहा कि वे इस मामले को भी उठाना चाहती हैं । किसी को नहीं पता है कि इन दोनों के साथ क्या हुआ है। बता दें कि राजकुमारी लतीफा अपने पिता के जुल्म व शोषण से तंग आकर साल 2018 में दुबई से भाग निकली थीं लेकिन उन्हें भारतीय व यूएई के कोस्ट गार्ड की साझा टीम ने गोवा आते समय पकड़ लिया था। उन्हें वापस दुबई लाया गया और आशंका है कि बंधक बनाकर रखा गया है। इसी वर्ष फरवरी में उन्होंने अपने महल के बाथरूम से एक वीडियो बनाकर पोस्ट किया और बताया कि उन्हें बंधक बनाया गया है।

उन्होंने कोई चिकित्सा मदद नहीं मिल रही है। दूसरी ओर उनके शाही परिवार ने बयान दिया कि लतीफा परिवार व चिकित्सकों की देखरेख में हैं।

भारत-अमेरिका के बीच सैन्य, सुरक्षा क्षेत्र में साझेदारी का गहराना 'निश्चित' था : एश कार्टर

वाशिंगटन,

अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री एश कार्टर के मुताबिक भारत और अमेरिका के बीच सैन्य एवं सुरक्षा क्षेत्र में साझेदारी का गहराना 'निश्चित' था क्योंकि इन दो बड़े लोकतंत्रों के बीच बहुत कुछ समान है और जो बेहद अच्छे मूल्यों को साझा करते हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंडल द्वारा आयोजित सत्र में कार्टर ने कहा कि दोनों देश महज अंग्रेजी भाषा नहीं बल्कि बहुत कुछ साझा करते हैं। ओबामा प्रशासन के दौरान 2015 से 2017 तक रक्षा मंत्री रहे कार्टर ने भारत के साथ सुरक्षा क्षेत्र में संबंधों की प्रगति पर कहा, दरअसल, यह होना ही था। मेरे विचार में असल में यह होना निर्धारित ही था क्योंकि हमारे बीच बहुत कुछ समान है...हितों, कार्यों के लिहाज से। उन्होंने कहा, मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। मैं जब पद पर था तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई मेरी अंतिम बातचीत में हम उस चीज को दर्शा रहे थे जो चर्चा के प्रत्येक पहलु के लिए मुनासिब नहीं थी। लेकिन मैं उन्हें इसका ध्यान दिला रहा था कि कितने भारतीय और भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी अमेरिका के प्रौद्योगिकी जगत में काम कर रहे हैं। और मैंने कहा था कि दोनों देशों की मानसिकता के बीच कुछ आत्मीयता सी है। कार्टर ने कहा, यह महज अंग्रेजी भाषा नहीं है। यह इससे कहीं ज्यादा है। मेरे विचार में दो बड़े लोकतंत्र, अपने अच्छे दिनों में बहुत अच्छे मूल्यों को साझा करते हैं। मेरे हिसाब से यह सब निर्धारित है। हालांकि, कार्टर ने आगाह किया कि अमेरिका को पूर्व को लेकर सचेत रहना चाहिए जिसमें भारत की गुट निरपेक्ष नीतियां और रूस के साथ उसके ऐतिहासिक सैन्य संबंध शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया: पहली बार 170 किलोमीटर से चली हवाएं, चक्रवात से भारी नुकसान...31500 घर अंधेरे में डूबे

इंटरनेशनल डेस्क।

ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी तटवर्ती हिस्से में चक्रवात के कारण कई शहरों में भारी क्षति हुई है और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के कलबरी से चक्रवात सेरोजा आगे गुजर चुका है। चक्रवात के दौरान 170 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। दमकल और आपात सेवा विभाग के आयुक्त डेरेन क्लेम ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी पर्थ के उत्तर में 580 किलोमीटर दूर 1400 लोगों की आबादी वाले कलबरी शहर में करीब 70 प्रतिशत इमारतें प्रभावित हुई हैं। इनमें से करीब 30 प्रतिशत नुकसान गंभीर किस्म के हैं। तट के आसपास के कई और शहरों में भी नुकसान हुआ है। सरकारी कंपनी 'वेस्टर्न पावर' ने कहा कि 31,500 मकानों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि कलबरी और आसपास के शहरों में पिछले 50 साल से अधिक समय में पहली बार इतनी तूफानी हवाएं दर्ज की गई हैं। इससे पहले 1956 में भीषण चक्रवात आया था। चक्रवात 'सेरोजा' से इंडोनेशिया और पूर्वी तिमोर में पिछले हफ्ते बाढ़ और भूस्खलन से 174 लोगों की मौत हो गई और 48 लोग लापता हैं। कलबरी के राज्य आपात सेवा के प्रबंधक स्टीव केबल ने कहा कि शहर के कुछ हिस्सों में ज्यादा नुकसान हुआ है, वहीं चक्रवात का असर समूचे शहर में देखा गया।

जापान में कड़े नियम लागू व बुजुर्गों के लिए टीकाकरण शुरू, श्रीलंका में लोगों को कार्रवाई की सख्त चेतावनी

इंटरनेशनल डेस्कः

जापान में होने वाले ओलंपिक खेलों के पहले कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए देश में सोमवार से कड़े नियम लागू किए गए। देश में एक प्रतिशत से कम लोगों को संक्रमण रोधी टीका लगा है। जापान में टीकाकरण की शुरुआत चिकित्सा कर्मियों को टीका लगाने के साथ हुई थी और सोमवार को यहां बुजुर्ग नागरिकों को टीका लगना शुरू हुआ। देश के 120 स्थानों पर ये टीके लगाए जा रहे हैं। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ये कड़े कदम तोक्यो के गवर्नर को बार और रेस्तरां को कम वक्त के लिए खोले जाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने का अधिकार देते हैं। ये कड़ी पाबंदियां 11 मई तक लागू रहेंगी। तोक्यो की गवर्नर यूरिको कोइके ने लोगों से गैर जरूरी यात्राओं से बचने और सामाजिक दूरी के नियम का पालन करने की अपील की है। उन्होंने बार और रेस्तरां को रात आठ बजे बंद करने की भी अपील की। तोक्यो ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे। उधर, सिंहली और तमिल नववर्ष के मद्देनजर बाजारों में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए श्रीलंका पुलिस ने कोविड-19 संबंधी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल की अवहेलना करने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नियमों के मुताबिक, मास्क पहनना और सामाजिक दूरी का पालन करना आवश्यक है। ज्यादातर मॉल में लोगों की भीड़ उमड़ रही है और लोग इन नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिल लोगों का नववर्ष बुधवार को पड़ रहा है। इस दौरान कई हफ्तों तक विविध तरीके से उत्सव मनाया जाता है। कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत कई पारंपरिक खेलों पर पाबंदी लगा दी गई है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 96,000 मामले हैं तथा अब तक करीब 600 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

मंगलवार, १३ अप्रैल २०२१

देश

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महबूबा मुफ्ती ने घाटी के युवाओं से कहा- हथियार छोड़ करें बात, वरना मौत के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा

नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने घाटी के युवाओं से कहा कि वह हथियार छोड़कर बात करें। उन्होंने कहा कि कोई भी हथियार की भाषा नहीं समझेगा, यदि आप अपना नजरिया शांतिपूर्वक रखते हैं तो दुनिया आपको सुनेगी। बंदूक थामने से मौत के अलावा कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि प्रधानमंत्री असम में उग्रवादियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हैं, यदि बोडो से बातचीत होती है तो जम्मू कश्मीर में ऐसा करने में क्या दिक्कत है। यहां जेल के अलावा कोई दूसरा विकल्प क्यों नहीं है? यह अन्याय कब तक चलेगा?

पूर्व मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में जम्मू कश्मीर में राह भटकर आतंकवाद के रास्ते पर गए युवाओं से मुख्यधारा में लौटने की अपली करते हुए कहा कि हिंसा के रास्ते कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से अनुच्छेद 370 को दोबारा बहाल करने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि हम अपने देश से यह वापस करने की मांग करते हैं जो हमसे छीन लिया गया है। यदि आप जम्मू कश्मीर के लोगों को चाहते हैं तो आपको हमारा सम्मान बहाल करना होगा। कोई दूसरा रास्ता नहीं है। यह मैं अपने देश से कहता हूं। जब मैं यह कहती हूं तो बीजेपी क्यों गुस्सा हो जाती है? क्या मैं पाकिस्तान से मांगूंगी?

पीएमसीएच ने जिंदा मरीज का जारी किया डेथ सर्टिफिकेट, परिजनों को लाश भी सौंपी

नयी दिल्ली। डॉक्टरों और अस्पतालों के कारनामें तो आपने बहुत सुने होंगे। उनमें एक और इजाफा हुआ है और वो भी बिहार के पीएमसीएच से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। ब्रेन हैमरेज का इलाज कराने आए एक मरीज को अस्पताल प्रशासन की ओर से कोरोना पॉजीटिव बताकर मृत घोषित कर दिया गया। और तो और मरीज का मृति प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया। लेकिन मुख अग्नि से ऐन पहले परिजनों ने जब चेहरा देखा तो पता चला कि जिनका वो अंतिम संस्कार करने जा रहे हैं वो तो किसी और की डेड बॉडी है। परिजनों का दावा है कि उन्होंने 9 अप्रैल को अपने रिश्तेदार को पीएमसीएच में भर्ती कराया था। लेकिन रविवार सुबह उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यही नहीं डेथ सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया। मामला तब खुला जब परिजनों ने मुखाग्नि से पहले मृतक का चेहरा देखने की जिद कर दी। चेहरा देखते ही परिजनों के होश उड़ गए। क्योंकि जो डेड बॉडी उन्हें सौंपी गई थी वो दूसरे मरीज की थी। गुस्साए परिजनों ने पीएमसीएच आकर हंगामा करना शुरू कर दिया। जब मामला हद से ज्यादा बढ़ गया तो जिद पर अड़े परिजन अस्पताल में जबरन घुस गए। इसके बाद पीएमसीएच हरकत में आया। पीएमसीएच में फिलहाल चुन्नू का इलाज चल रहा है और जिसकी पुष्टि अस्पताल प्रशासन और चुन्नू के परिजनों ने भी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएमसीएच के सुपरिटेंडेंट डॉ. आईएस ठाकुर ने इसे बड़ी गलती बताते हुए हेल्थ मैनेजर अंजली कुमारी को सस्पेंड कर दिया है।

टीके की आपूर्ति, वितरण में अपनी विफलता को छिपाने की कोशिश कर रही है सरकार : चिदंबरम

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कोविड रोधी टीके की आपूर्ति और वितरण के प्रबंधन में अपनी 'भारी विफलता' को छिपाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया, ''एक दिन सरकार टीकाकरण अभियान को एक उत्सव कहती है। दूसरे दिन, इसको दूसरा युद्ध कहती है। यह क्या है?'' पूर्व गृह मंत्री ने कहा, ''याद कीजिए, जिस दिन प्रधानमंत्री ने पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की थी। उस दिन उन्होंने दावा किया था कि महाभारत का युद्ध 18 दिनों में जीता गया था और कोरोना वायरस संकट के खिलाफ युद्ध 21 दिनों में जीता जाएगा। उस युद्ध का क्या हुआ?'' चिदंबरम ने आरोप लगाया, ''खाली दावे, बयानबाजी और बड़ी-बड़ी बातों से वायरस के खिलाफ सफलता नहीं मिलेगी। सरकार टीकों की आपूर्ति और वितरण के प्रबंधन में अपनी भारी विफलता को छुपाने की कोशिश कर रही है।

ममता का चुनाव आयोग से अनुरोध, केवल बीजेपी की ही नहीं सभी की सुनें

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से अनुरोध करते हुए कहा है कि वह केवल बीजेपी की ही न सुने बल्कि सभी की सुने। उन्होंने कहा कि आयोग को पक्षपात नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में दुखी और शर्मिंदा हूं। मैंने ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो बोलते समय सभी सीमाओं को लांघ जाता है। मैंने सभी धर्म के लोगों के लिए काम किया है। मैंने क्या नहीं किया है? अब एक ही चीज रह गई है, 'भाजपा हटाओ देश बचाओ'। लेफ्ट और कांग्रेस भाजपा के एजेंट हैं। ममता बनर्जी ने बंगाल बीजेपी प्रमुख दिलीप घोष के बयान को लेकर भी सवाल उठाये जिसमें घोष ने कहा था कि अगर शरारती लड़के नहीं मानते हैं और कानून को अपने हाथ में लेते हैं, तो अगले फेज में भी कूच बिहार जैसी घटना हो सकती है। दमदम की रैली में ममता ने कहा कि वे रेलवे, बीएसएनएल, बैंक बेच रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि लोगों को गोली मारी जाएगी।

मोदी का ममता पर तंज, कहा- जो खेला करने की सोच रहे थे, उन्हीं के साथ खेला हो गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के 4 चरणों के लिए मतदान हो चुके हैं जबकि 4 और चरणों के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भाजपा प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल के बर्धमान पहुंचे। बर्धमान पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां की दो चीजों की तारीफ की और कहा कि एक तो यहां चावल मशहूर है जबकि दूसरा मिहिदाना। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप की बोली, आपका व्यवहार यहां का खानपान हर चीज मिठास से भरपूर है।

चुनावी प्रचार में भला ममता बनर्जी पर निशाना साधा बिना प्रधानमंत्री कहां रहने वाले थे। मोदी ने कहा कि दीदी की कड़वाहट, उनका क्रोध, उनकी बौखलाहट बढ़ती ही जा रही है। जानते हैं क्यों? मैं बताता हूं। क्योंकि बंगाल में हुए आधे चुनावों में आपने टीएमसी को पूरा साफ कर दिया है। यानि आधे चुनाव में ही टीएमसी पूरी साफ। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि चार चरणों के चुनाव में बंगाल की जागरूक जनता ने इतने चौके-छक्के मारे कि भाजपा की सीटों की सेंचुरी हो गई है। जो आपके साथ खेला करने की सोच रहे थें, उन्हीं के साथ खेला हो गया है।

कारण बताते हुए मोदी ने कहा कि एक तो नंदीग्राम में बंगाल के लोगों ने दीदी को क्लीन बोल्ड कर दिया। यानि बंगाल में दीदी की पारी समाप्त हो चुकी है। दूसरा, बंगाल के लोगों ने दीदी का बहुत बड़ा प्लान फेल कर दिया। दीदी तैयारी करके बैठी थीं कि पार्टी की कमानी भाइपो को सौंपेंगी, लेकिन दीदी का ये खेला भी जनता ने समय रहते समझ लिया। इसलिए दीदी का सारा खेला धरा का धरा रह गया। और तीसरा, दीदी की पूरी टीम को ही बंगाल के लोगों ने मैदान से बाहर जाने को कह दिया है। अब दीदी बंगाल के लोगों से गुस्सा तो होंगी ही।

मोदी ने कहा कि दीदी को ये भी मालूम है कि एक बार बंगाल से कांग्रेस गई तो कभी वापस नहीं आई। वामपंथी वाले, लेफ्ट वाले गए वापस नहीं आएं। दीदी, आप भी एक बार गई तो कभी वापस नहीं आएंगी। दीदी के लोग बंगाल के अनुसूचित जाति के भाई-बहनों को गाली देने लगे हैं। दीदी के करीबी लोग उन्हें भिखारी कहने लगे हैं। बाबा साहेब की आत्मा को दीदी के कड़वे शब्द सुनकर कितना कष्ट हुआ होगा। वो राजा राम मोहन राय जिन्होंने जाति प्रथा के खिलाफ देश को झकझोरा, इस कुरीति को मिटाने के लिए देश को दिशा दिखाई, उनके बंगाल में दीदी ने दलितों को इतना बड़ा अपमान किया है।

मात खाने के बाद भी नहीं सुधर रहा ड्रैगन, एलएसी के पास तैनात कीं मिसाइलें

एलएसी के पास चीन ने तैनात कीं सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, भारत की करीब से नजर

शांतिपुर। (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पिछले साल तनाव पैदा करने वाला चीन एक बार फिर से चालबाजी दिखाने लगा है। चीन ने एलएसी के पास सरफेस टू एयर मिसाइल बैटरियों को तैनात किया है। चीन की इस हरकत पर भारत की करीब से नजर है। सरकारी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि जारी तनाव के मद्देनजर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भारतीय सीमा के पास एचक्यू और एचक्यू 22 समेत सरफेस टू एयर मिसाइलों को तैनात कर रखा है।

एचक्यू9 रूसी एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम का एक रिवर्स-इंजीनियर वर्जन है और लगभग 250 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को ट्रैक और हिट कर सकता है। सूत्रों ने बताया, 'हम चीन द्वारा तैनात अन्य रक्षा संपत्तियों के साथ ही एयर डिफेंस सिस्टम पर करीबी से नजर बनाए हुए हैं।' उन्होंने कहा कि हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि होटन और काशगर हवाई क्षेत्रों में लड़ाकू विमानों की संख्या कम हो गई है, लेकिन संख्या में समय-समय पर उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही दोनों देश पैंगोंग झील से डिस-एंगेजमेंट कर चुके हों, लेकिन दोनों पक्षों द्वारा तैनाती जारी है।

उधर, बातचीत में भी चीनी पक्ष ने गोगरा हाइट्स, हॉट स्प्रिंग्स, डेप्सांग और डेमचॉक के पास सीएनएन जंक्शन से डिस-एंगेजमेंट करने में अनिच्छा जताई है। वहीं, भारत ने भी साफ कर दिया है कि भारतीय पक्ष भी तभी पीछे हटने पर विचार करेगा, जब चीनी सेना डिस-एंगेज करने के लिए सहमत होती है। भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा बलों ने भी वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लद्दाख सेक्टर और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन तैनाती पर वापस लौटना शुरू कर दिया है।

पिछले साल से ही भारत और चीन की सेना के बड़ी संख्या में जवान बॉर्डर पर तैनात हैं। सुगर सेक्टर, सेंट्रल सेक्टर और पूर्वोत्तर सीमाओं में संरचनाओं और सैनिकों की तैनाती को भी मजबूत किया गया है। पैंगोंग सो के दक्षिणी तट पर भारतीय सामरिक अभियानों के कारण, भारतीय सेना फिंगर क्षेत्र से डिस-एंगेजमेंट करवाने में सफल रही है। वहीं, अन्य सेक्टर्स से चीनी सेना को पीछे भेजने के लिए भारत-चीन के बीच बातचीत जारी है।

सोनिया-राहुल को कोर्ट से राहत, हेराल्ड मामले में जवाब के लिए मिला समय

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की एक याचिका पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके पुत्र राहुल गांधी और अन्य आरोपियों को जवाब दाखिल करने का सोमवार को और समय दिया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने मामले को 18 मई को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। कांग्रेस नेताओं की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आर एस चीमा और तरन्नुम चीमा ने अदालत को बताया कि कोविड-19 के कारण कार्यालय बंद रहने से वे जवाब नहीं दाखिल कर पाएं हैं। उन्होंने और समय देने का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय ने स्वामी की याचिका पर 22 फरवरी को सोनिया, राहुल, एआईसीसी महासचिव ऑस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन (वाईआई) को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा था एवं तब तक निचली अदालत की सुनवाई पर रोक लगा दी थी। स्वामी ने निचली अदालत के 11 फरवरी के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था। निचली अदालत ने सोनिया, राहुल तथा मामले में अन्य आरोपियों पर मुकदमा चलाने के लिए साक्ष्य से जुड़ी स्वामी की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। निचली अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 244 के तहत स्वामी की याचिका पर मामले में उनसे जिरह खत्म होने के बाद विचार किया जाएगा। स्वामी ने उच्चतम न्यायालय के महासचिव (रजिस्ट्री अधिकारी), उप भूमि और विकास अधिकारी और आयकर विभाग के उपायुक्त समेत कुछ गवाहों को तलब किए जाने और मामले से जुड़े कुछ दस्तावेज मुहैया कराने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। भाजपा नेता ने निचली अदालत में दायर निजी आपराधिक शिकायत में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा अन्य लोगों पर नेशनल हेराल्ड के जरिए धोखाधड़ी एवं अनुचित तरीके से धन प्राप्त करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। मामले में सभी सात आरोपियों सोनिया, राहुल गांधी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ऑस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड ने उनके खिलाफ लगाये गये आरोपों को खारिज किया है। अदालत ने कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा के निधन के बाद नेशनल हेराल्ड मामले में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी थी।

दिल्ली के अस्पतालों में कोविड बेड बढ़ाने के लिए केंद्र को मुख्यमंत्री ने लिखा पत्र, जैन ने कहा- हर वक्त मास्क पहने रहें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी के बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को कहा कि केजरीवाल सरकार ने केंद्र सरकार को एक बार फिर यहां के अस्पतालों में कोविड बेड बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है। पत्रकारों से बातचीत में जैन ने लोगों से अपील की कि जरूरत पड़ने पर ही वे अपने घरों से बाहर निकलें और हर वक्त मास्क पहने रहें। संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अस्पतालों में बेड की आवश्यकताओं के बारे में पूछे जाने पर जैन ने कहा, ''कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर हम चिकित्सा ढांचे को चाक-चौबंद कर रहे हैं, पिछले एक सप्ताह में 5,000 बेड की व्यवस्था की गई है।'' स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, दिल्ली में रविवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 10,774 नए मामले आये जो राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन में अब तक का सर्वाधिक मामला है। मंत्री ने कहा, ''मामलों में तेज वृद्धि को देखते हुए केंद्र को एक बार फिर दिल्ली के अस्पतालों में कोविड बेड बढ़ाने के लिए पत्र लिखा गया है। दिल्ली के अस्पतालों में अब तक करीब 1,090 बेड हैं जो संक्रमण की पिछली लहर के दौरान 4,000 से अधिक थे। इसलिए हमने उसी स्तर पर अस्पतालों में बेड बढ़ाये जाने का अनुरोध किया है।'' वेंटिलेटर की आवश्यकताओं के बारे में पूछे जाने पर जैन ने कहा, ''अस्पतालों में करीब 50 प्रतिशत बेड अब भी उपलब्ध हैं, वेंटिलेटर बेड पर मरीज हो सकते हैं लेकिन उनमें से कुछ ही मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

कुरान की 26 आयतों को हटाने वाली याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने वसीम रिजवी पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कुरान की 26 आयतों को हटाने वाली मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने वसीम रिजवी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इन 26 आयतों को हटाने के पीछे वजह बताई गई थी कि ये ऐसी आयतें हैं जिन्हें बाद में जोड़ा गया है और ये देश के लिए खतरा है। वसीम रिजवी की ओर से कहा गया था कि देश की अखंडता और एकता के लिए खतरा हैं ये आयतें। रिजवी की ओर से अपनी दलील में कहा गया था कि कुरान की 26 आयतें गैर मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा और उनकी हत्या को प्रेरित करने वाली बातें लिखी हैं। जिसके बाद जस्टिस रोहिंटन एफ नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका को विचार करने लायक नहीं माना। इस पीठ में जस्टिस बीआर गवई और ऋषिकेश रॉय भी शामिल थे।

वसीम रिजवी की तरफ से कुरान की 26 आयतों को क्षेपक यानी बाद में जोड़ी गई आयतें बताते हुए उनको पवित्र किताब से हटाने का आदेश देने की मांग करने वाली जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर करने के बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस जारी किया था। आयोग ने वसीम रिजवी की विवादित टिप्पणियों और धार्मिक भावनाओं को आहत करने पर उन्हें नोटिस जारी कर बिना शर्त माफी मांगने और अपना बयान वापस लेने को कहा था।

बंगाल में अमित शाह का दावा 4 चरणों में भाजपा 92 से ज्यादा सीटों पर आगे

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। वह ताबरतोड़ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इन सबके बीच अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के धुपगुरी में चुनावी सभा किया। इस दौरान अमित शाह ने दावा किया कि बंगाल में 4 चरणों में भाजपा 92 से ज्यादा सीटों के साथ लीड पर है। 5वें चरण के चुनाव में आप कृपा कर दीजिए, भाजपा की सरकार बनने का काम हो जाएगा। उन्होंने ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि दीदी 10 साल मुख्यमंत्री रही हैं। उनकी विदाई धूम-धाम से होनी चाहिए। बंगाल में 200 से ज्यादा सीटों के साथ भाजपा की सरकार बननी चाहिए। उत्तर बंगाल के साथ दीदी ने बहुत अन्याय किया है। माताओं-बहनों की जिम्मेदारी है कि दीदी का यहां खाता न खुल पाए।

अमित शाह ने कहा कि दीदी ने जितना अन्याय उत्तर बंगाल पर किया है उतना अन्याय किसी ने नहीं किया है। दीदी भाजपा वालों को बाहरी बोल रही हैं। अरे दीदी आपके खिलाफ चुनाव हम नहीं लड़ रहे हैं, आपके खिलाफ चुनाव तो तेरे उत्तर बंगाल की माताएं, भाइयों, बहनों लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर मोदी जी आपका भला चाहते हैं, दूसरी ओर दीदी भाइपो का भला चाहती हैं। आप बताइए, भाइपो को मुख्यमंत्री बनाना जरूरी है या बंगाल के युवाओं को रोजगार देना जरूरी है। दीदी को आपके रोजगार की चिंता नहीं है, भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने की चिंता है।

शाह ने कहा कि सरकार बनते ही हम उत्तर बंगाल में एक एम्स बनाएंगे। सिलिगुड़ी में ढ्ढञ्ज पार्क, उत्तर बंगाल में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और सिलिगुड़ी में मेट्रो भी बनाएंगे। चाय बागान के सभी मजदूरों की मजदूरी 350 रूपया प्रतिदिन की जाएगी। उत्तरी क्षेत्र में एक मेगा फूड पार्क बनाएंगे। उन्होंने कहा कि दीदी अपने भाषण में बंगाल से ज्यादा मेरा नाम बोलती हैं। जितनी गालियां मुझे देती हैं उसका कोई हिसाब नहीं। दीदी, अगर आप लोगों को न उकसातीं तो 4 युवाओं की मौत नहीं होती।

कोरोना वॉरियर्स के तौर पर यूपी पुलिस की हालत को आर्टिस्टों से सैंड आर्ट से किया जाहिर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी रोजाना सेगड़ों लोगों की निगल रही हैं। ये बीमारी अमीर, गरीब, जाति, समुदाय, बड़ा -छोड़ा नहीं देख रही बस जैसे ही कोई लापरवाही बरत रहा है उसे पकड़ ले रही हैं। लोग सुरक्षित रहे इस लिए देश की सेना और पुलिस, डॉक्डर्स के साथ साथ एक योद्धा की तरह हमारी रक्षा के लिए कोरोना से लड़ रहे हैं। बाहर निकले तो मास्क लगा कर निकले। जरूरी काम से ही बाहर निकले, कोरोना काल में सरकार के दिशा निर्देशों का लोग पालन करें, एक साथ ज्यादा लोग जमावड़ा न लगाए , ऐसी तमाम तरह की ड्यूटी वह महामारी के दौरान घर से बाहर निकल कर कर रहे हैं। ऐसे में हम सब को पुलिस का सहयोग करना चाहिए और उनकी बात माननी चाहिए। वह रोजाना अपनी जान पर खेल कर हमारी रक्षा के लिए घर से बाहर निकलते हैं।

पुलिस को उनके काम के लिए अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए कुछ छात्रों ने एक अनोखे अंदाज में यूपी पुलिस का शुक्रिया अदा किया है। बालू कला के माध्यम से ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 से युद्ध के प्रयासों के लिए कलाकारों ने यूपी पुलिस की प्रशंसा की है। ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के छात्रों ने संगम घाट पर रेत कला का निर्माण किया। कलाकारों ने संक्रामक बीमारी से जूझते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस का एक सैंड स्कल्पचर बनाया है, जिसने फेस मास्क पहना है। आप देख सकते हैं कि मास्क के सहारे यूपी पुलिस लोगों की सुरक्षा करने के लिए घरों से बाहर है। लोगों को महामारी से होने वाले दुष्परिणामों से भी अवगत करवा रही हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 15,353 नए ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ मामले दर्ज किए। ऐसे में हालत बहुत ज्यादा खराब है।

आपको बता दें कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के अब तक के सर्वाधिक 1,68,912 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,35,27,717 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार की सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। देश में संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर 90 प्रतिशत से भी कम रह गई है। आंकड़ों में बताया गया है कि देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 12 लाख से अधिक हो गई है तथा 904 और लोगों की मौत होने के बाद संक्रमण से अब तक मारे गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,70,179 हो गई है। संक्रमण के दैनिक मामलों में लगातार 33वें दिन हुई बढ़ोतरी के बीच देश में उपचाराधीन लोगों की संख्या बढ़कर 12,01,009 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 8.88 प्रतिशत है, जबकि लोगों के स्वस्थ होने की दर गिरकर 89.86 प्रतिशत रह गई है। देश में सबसे कम 1,35,926 उपचाराधीन मरीज 12 फरवरी को थे और सबसे

अधिक 10,17,754 उपचाराधीन मरीज 18 सितंबर 2020 को थे, लेकिन अब उनकी संख्या इस आंकड़े से भी आगे निकल गई है। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से अब तक 1,21,56,529, लोग उबर चुके हैं जबकि मृत्यु दर 1.26 प्रतिशत है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)